Happy New Year! 2021
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अख़बार
क्राइम रिव्यू
साहस सच लिखने का
UPHIN/2014/67765
वर्ष :07 अंक 29 पृष्ठ :8 मूल्य: ₹2
लखनऊ गुरुवार 07 जनवरी 2021
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/hemant4u4life
@hemant4u4life

कोरोना काल में पुलिस का मानवीय चेहरा 2
जमीन विवाद में युवक को गोलियों से भूना 3
विदेशियों को भाने लगा मां वैष्णो देवी तीर्थस्थल 4
पर्यावरण का संदेश दे रहा यूपी महोत्सव 8

प्रदेश में कोरोना महामारी के नियंत्रण पर टाइम मैगजीन में छाए सीएम योगी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब पूरे विश्व में जाना पहचाना नाम होता जा रहा है। डब्ल्यूएचओ के बाद विश्व प्रसिद्ध पत्रिका टाइम मैगजीन ने उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए किए गए सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की जमकर तारीफ की है। टाइम मैगजीन ने अपने तीन पन्नों के लेख में लिखा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जिस तरह से कोरोना महामारी पर नियंत्रण पाया है, उसकी तारीफ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी किया है। इतना ही नहीं कोरोना महामारी के नियंत्रण की यूपी मॉडल की चर्चा आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। साथ ही कोरोना से हुई मौतों पर नियंत्रण व रिकवरी रेट में निरंतर बढ़ोतरी को लेकर यूपी सरकार और सीएम योगी की तारीफ की गई है।

वर्तमान में 234 टेस्टिंग लैब

लेख में बताया गया कि 22 मार्च को जब कोरोना अपने कदम यूपी में धीरे-धीरे बढ़ा रहा था उस वक्त राज्य में सिर्फ एक टेस्टिंग लैब थी। जिसमें 60 सैंपल प्रतिदिन जांच होती थी। पर, अब 234 टेस्टिंग लैब हैं, जहां रोजाना 1.75 लाख टेस्ट हो रहे हैं। यह ही नहीं कोरोना की करीब 1.9 करोड़ टेस्ट कर सर्वाधिक कोरोना टेस्ट का रिकॉर्ड भी यूपी ने अपने नाम दर्ज करा रखा है।

अब कोविड हॉस्पिटल 674

कोरोना की शुरुआत के वक्त प्रदेश में एक भी कोविड हॉस्पिटल नहीं था। मुख्यमंत्री योगी की सक्रियता से आज यूपी में 674 कोविड अस्पताल हैं। इनमें 571 लेवल-1, 77 अस्पताल लेवल-2 और 26 हॉस्पिटल लेवल-3 के तैयार किए गए हैं।

पत्रिका का कहना है कि सीएम योगी 3 दिन के लॉकडाउन करने वाले पहले मुरव्यमंत्री थे उन्होंने जरूरी सामग्रियों की जनता तक पहुंच सुनिश्चित करने के बाद ही यह कदम उठाया!

जनता कर्फ्यू और लॉकडाउन

टाइम मैगजीन में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गयाकि, जनता कर्फ्यू 22 मार्च को किया गया था, लेकिन सीएम योगी पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने 3 दिन का लॉकडाउन तत्काल घोषित कर दिया था। जिससे लॉकडाउन का अनुभव पाया जा सके और यह समझ विकसित किया जा सके कि आम लोगों को आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई कैसे आसानी से हो सके।

अन्य कामों के लिए भी तारीफ

इसके अलावा सीएम योगी की कोरोना काल में किए गए अन्य कामों जैसे रोजगार, प्रदेश के विकास आदि को लेकर भी सीएम योगी और उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना की गई है।

तीन पन्नों में मुख्यमंत्री की तारीफ

टाइम मैगजीन ने अपने तीन पन्नों के लेख में लिखा कि, फरवरी में कोरोना का पहला मामला आने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने जिस तेजी के साथ प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को खंगाला और कमियों को दूर कर, जरूरी रणनीति बनाई वह बेहद सराहनीय है। कोरोना को गंभीरता से लेते हुए सीएम योगी ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई का पूरा खाका तैयार कर लिया था।

टीम-11 ने खूब चर्चा पाई

सीएम योगी की टीम 11 की टाइम मैगजीन ने बहुत तारीफ की है। सीएम योगी ने प्रदेश के वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट्स को लेकर टीम-11 का गठन किया था, जिनके साथ वह रोजाना प्रदेश की दो बार सुबह-शाम समीक्षा करते हैं।

बदायूं में महिला से निर्भया जैसी हैवानियत, सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या

दरिंदगी

- आरोपियों ने पूजा करने गई महिला के साथ किया गैंगरेप
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मचा हड़कंप, पैर, फेफड़े और पसली डैमेज

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के उघैती थाना क्षेत्र स्थित गांव के धर्मस्थल में पूजा करने गई महिला के साथ हैवानियत की इंतेहा की गई। सामूहिक दुष्कर्म के बाद ठीक उसी तरह निजी अंगों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जैसा कि दिल्ली की निर्भया संग हुआ था। मंगलवार देर शाम पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि के बाद अफसरों में खलबली मच गई। आशंका है कि निजी अंग में रॉड डाली गई थी। आरोपित धर्मस्थल के महंत समेत तीन लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के बाद से सभी फरार हैं। उनकी तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

महिला रविवार देर शाम पास के ही गांव में धर्मस्थल पर पूजा करने गई थी। उसी रात 11 बजे धर्म स्थल की देखरेख करने वाला अपने दो साथियों के साथ बोलेरो से महिला का खून से लथपथ शव लेकर घर पहुंचा। जब तक परिजन बाहर आते, वे शव घर के बाहर फेंककर फरार हो गए। हालांकि, इस दौरान महिला के बच्चों ने तीनों को पहचान लिया, जिसके बाद रात में ही पुलिस को खबर कर दी। ग्रामीणों ने आरोपित सत्यनारायण को फोन किया तो बहाने बनाने लगा। शिकायत के बावजूद पुलिस अगले दिन सोमवार को देर शाम गांव पहुंची। मंगलवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई तो अफसरों के होश उड़ गए।

महिला के शरीर को हैवानों ने बुरी तरह नोचा था। कई चोट के निशान मिले। इतना ही नही, उसका निजी अंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त मिला। आशंका जताई जा रही है कि रॉड डालने से यह स्थिति हुई। मामला बढ़ता देख पुलिस ने आनन-फानन में महंत सत्यनारायण, मेवली निवासी वेदराम और जसपाल पर सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। एसपी देहात सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की धाराओं में धर्मस्थल के महंत समेत तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित फरार हैं, उनकी तलाश में दबिशें दी जा रही हैं, उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजेंगे।

17 घंटे तक पड़ी रही महिला की लाश

दुष्कर्म की घटनाओं के लिए देश-दुनिया में शर्मसार हो चुके बदायूं की पुलिस ने इस घटना से भी कोई सबक नहीं लिया। हैवानियत के 17 घंटे बाद भी महिला की लाश घर के बाहर पड़ी रही और शिकायत के बावजूद पुलिस सोती रही। मौके पर जाने की जहमत नहीं उठाई। ग्रामीणों के हंगामे के बाद पुलिस गांव पहुंची। पुलिस की संवेदनहीनता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि परिवार वाले गुहार लगाते रहे और पुलिस अगले दिन पर मामला टालती रही।

घटना को नजर अंदाज करती रही पुलिस : परिजनों के मुताबिक, रविवार रात करीब 11 बजे महिला का शव उसके घर के सामने फेंककर भागे थे। इसके तुरंत बाद महिला के बच्चों ने फोन पर सूचना देकर आसपास के रिश्तेदारों को बुलवा लिया। दो घंटे बाद रात एक बजे थाना पुलिस को खबर की। रात भर पीड़ित पक्ष फोन करता रहा और पुलिस घटना को नजर अंदाज करती रही। सोमवार सुबह मृतका के रिश्तेदार खुद थाने पहुंचे तो उनसे कह दिया गया कि पुलिस पहुंच रही है।

छावनी में तब्दील हुआ अंत्येष्टि स्थल : सामूहिक दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या के मामले में ग्रामीण पुलिस की कार्यशैली को लेकर काफी आक्रोशित थे। इसकी जानकारी पुलिस अफसरों को मिली तो उन्होंने अंत्येष्टि के दौरान कोई विवाद न हो, इसलिए अंत्येष्टि स्थल पर फोर्स तैनात कर दी। फिलहाल रात में ही शव की अंत्येष्टि करने की तैयारी चल रही थी।

एसटीएफ लगाकर करें घटना की जांच : योगी

लखनऊ। बदायूं गैंगरेप-हत्या मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और इस संबंध में एडीजी से रिपोर्ट मांगी है। उत्तर प्रदेश अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए गए हैं कि अगर एसटीएफ को भी लगाना पड़े तो उन्हें लगाकर जल्द घटना की जांच की जाए और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। बता दें, बीते रविवार को बदायूं में मंदिर पूजा करने गई महिला से तीन लोगों ने गैंगरेप किया गया, इसके बाद बर्बर तरीके से उसकी हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस ने उसपर 50 हजार रुपए का इनाम रखा।

सीट-बेल्ट हेलमेट तुम पहनो या फिर रहो रजाई में...

लखनऊ। एडीसीपी ट्रैफिक पूर्णेदु सिंह खुद की रचित कविता से लोगों को ट्रैफिक के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने इस कविता को सोशल मीडिया पर भी अपलोड की है। उनकी इस कविता को काफी सराहना मिल रही है।

- **नए वर्ष की नई सुबह में यह संकल्प हमारा है।**
- **रहे सुरक्षित सड़क शहर की यही हमारा नारा है।**
- **सड़कों पर खुशियां हो बिखरी कहीं जाम का झाम न हो। नियमों की बाहों में रहिए दुर्घटना का नाम न हो।**
- **यातायात पुलिस है रक्षक सड़कों पर तनहाई में।**
- **सीट-बेल्ट हेलमेट तुम पहनो या फिर रहो रजाई में।**

वैक्सीन वाले बयान पर अखिलेश यादव ने दी सफाई, कहा- मैंने टीका विकसित करने वालों का नहीं किया अपमान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोरोना वैक्सीन को लेकर अपने हालिया बयान पर सफाई देते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने टीका बनाने वाले किसी भी वैज्ञानिक का अपमान नहीं किया है।

अखिलेश ने सरकार से पूछा कि वह यह बताए कि प्रदेश के गरीबों को कब तक टीका लगेगा और यह मुफ्त में लगाया जाएगा या नहीं। सपा अध्यक्ष ने यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद टीका नहीं लगवाने के अपने हाल के बयान पर उठे विवाद के सिलसिले में पूछे गए एक सवाल पर कहा, ''मैंने किसी भी वैज्ञानिक या टीका बनाने में मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति पर सवाल नहीं खड़ा किया है। हमने सिर्फ भाजपा पर सवाल खड़ा किया है, क्योंकि इस पार्टी ने जैसे फैसले लिए हैं, उन पर जनता को भरोसा नहीं है।''

अखिलेश ने कहा, ''हरियाणा के एक मंत्री जी ने वैक्सीन लगवाई थी, बताइए उनके साथ बाद में क्या हुआ। सरकारी अस्पताल उनका इलाज नहीं कर पाया तो निजी अस्पताल जाकर उनकी जान बची।'' वह हरियाणा के स्वास्थ्य एवं गृह मंत्री अनिल विज का संदर्भ दे रहे थे जिन्होंने क्लिनिकल ट्रायल के दौरान टीका लगवाया था लेकिन बाद में उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

उन्होंने कहा कि, ''सरकार की जिम्मेदारी है कि अगर कहीं किसी चीज की चर्चा हो रही है, अलग-अलग मंचों पर इस पर बहस हो रही है, तमाम लोगों ने अपनी राय दी है, राजनीतिक पार्टियों ने अपनी राय दी है तो वह सामने आए सबकी शंका दूर करे।''

गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने गत शनिवार को एक बयान में कहा था कि वह भाजपा की कोरोना वैक्सीन नहीं लगाएंगे क्योंकि उन्हें भाजपा पर भरोसा नहीं है। सपा अध्यक्ष के इस बयान की खासी आलोचना हुई थी। भाजपा ने इसे वैक्सीन बनाने वाले वैज्ञानिकों का अपमान करार दिया था।

अपर्णा का तंज, बोलीं- वैक्सीन को तो राजनीतिक चर्चा न बनाएं

लखनऊ। कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर बीते दिनों बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को विपक्षी दलों के बाद अब परिवार में भी विरोध झेलना पड़ रहा है। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने वैक्सीन को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर तंज कसा है।

अपर्णा यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का कोरोना वैक्सीन न लगवाने का ऐलान ठीक नहीं है। यह जरा भी ठीक नहीं है। कोरोना वैक्सीन को लेकर अखिलेश यादव अपने बयान के बाद परिवार के भी निशाने पर है।

मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने कहा कि कोरोना की इमरजेंसी यूज के लिए मंजूर की गई कोरोना वायरस वैक्सीन को किसी पॉलिटिकल पार्टी से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। वैक्सीन पूरे विश्व के लिए है। उन्होंने कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव को ऐसा नहीं कहना चाहिए कि यह किसी राजनीतिक पार्टी से संबंधित है। यह नहीं कहना चाहिए यह सही नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी लोग वैक्सीन का इंतजार कर रहे थे। अखिलेश यादव की का यह बयान भारत के वैज्ञानिकों और डॉक्टर्स की बेइज्जती करना है।

गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया था कि भारत में कोरोना वायरस की वैक्सीन आने के बाद भी वो टीका नहीं लगवाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा था कि भारत में कोरोना वायरस की वैक्सीन आने के बाद भी वो टीका नहीं लगवाएंगे। भाजपा की वैक्सीन पर मैं कैसे विश्वास कर सकता हूं। 2022 में जब हमारी सरकार आएगी तो सबको फ्री कोरोना वैक्सीन मिलेगी। हम तो भाजपा की वैक्सीन नहीं लगवाएंगे।

लोकतंत्र अच्छा है. मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि अन्य प्रणालियां इससे बदतर हैं।
–पं. जवाहर लाल नेहरू

कोरोना काल में लखनऊ पुलिस का हर कदम पर दिखा मानवीय चेहरा

सुधरी छवि

- पुलिस के प्रति लखनऊ वासियों का बढ़ा विश्वास

पंकज द्विवेदी

लखनऊ। पुलिस के बारे में आमतौर पर लोगों की धारणा बनती-बिगड़ती रहती है।जिसमे से लखनऊ पुलिस अक्सर विवादों के घेरे में रही है। लोगों का विश्वास जीतने में यहां की पुलिस हमेशा फिसड्डी साबित हुई। जिसके कई उदाहरण भी लोगों के सामने हैं। हालांकि कोरोना काल मे लॉक डाउन के समय लोगों ने पुलिस का जो मानवीय चेहरा देखा वह वाकई काबिले तारीफ था। पुलिस एक जिम्मेदार घर के सदस्य की लोगों के साथ खड़ी रही। देशभर में किए गए सर्वे के परिणामों में इस बात का खुलासा हुआ है कि वैश्विक महामारी के दौरान लोगों में पुलिस की छवि विश्वसनीय बनकर उभरी और पुख्ता हुई है।पुलिस के प्रति यह विश्वास और बेहतर सोच सभी स्थानों,आय और शिक्षा स्तरों के साथ-साथ सभी धर्म, जाति और समुदायों में भी देखी गई है।

पुलिस ने बुजुर्ग को रसगुल्ला खिलाकर लूटी सराहना

लॉक डाउन के समय हजरतगंज के रहने वाले एक बुजुर्ग ने रसगुल्ला खाने की इच्छा जताई थी। इस पर तत्कालीन इंस्पेक्टर हजरतगंज संतोष सिंह ने दुकान खुलवाकर रसगुल्ले खरीदे और सीधे बुजुर्ग के घर जाकर उसकी इच्छा पूरी की। इस पर बुजुर्ग खुशी से झूम उठा था और लखनऊ पुलिस की जमकर सराहना की थी। इसके अलावा लखनऊ पुलिस ने घर मे अकेले रह रहे बुजुर्गों का घर के सदस्यों की तरह ध्यान रखा। कई ऐसे भी मामले देखने को मिले कि बुजुर्गों की मौत होने पर पुलिस ने बेटे का फर्ज निभाते हुए अंतिम संस्कार से लेकर सभी कर्म कांड विधि विधान से करवाए। लखनऊ पुलिस के ऐसे ही कई प्रयासों की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हुई।

सोशल मीडिया में भी छाई रही पुलिस की नई छवि

लॉक डाउन में इंसानों के हित में काम करने वाली पुलिस की नई छवि लगातार इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया समेत सोशल मीडिया पर भी छाई रही। शायद इसी के चलते लोगों की इनके प्रति सोच बदली है। संस्था की मदद से पुलिस ने बेघर लोगों को राशन बांटने के अलावा हर जरूरतमंद का ख्याल रखा। दवा से लेकर सभी जरूरत की चीजें पुलिस ने उपलब्ध करवाई। इतना ही नहीं बर्थडे पार्टी हो या अन्य कार्यक्रम पुलिस ने बहुत ही सरलता से लोगों को उनके घर के अंदर ही जरूरत की चीजें उपलब्ध करवा दिया।

घर-परिवार छोड पब्लिक की सेवा में जुटे रहे

कुछ ऐसे ही भावुक कर देने वाले और भी कई वीडियोज सामने भी आए। जिनमें दिखाया गया कि पुलिस कर्मी इस संकट के समय अपना घर-परिवार सब कुछ छोड़कर अपनी जान दांव पर लगाकर आम जनता की रक्षा में जुटे हुए हैं। कोरोना योद्धा की भूमिका में दिखे पुलिस कर्मियों पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका हौशला बढ़ाने का भी प्रयास करते रहे।

...तो इसलिए बिगड़ जाती है पुलिस की छवि

हालिया सर्वे के पहले तक पुलिस के प्रति लोगों की सोच मुश्किल से ही बदली है। पुलिस का भेदभाव वाला व्यवहार, कठोर रवैया, भ्रष्टाचार, मानवाधिकारों का बार-बार उल्लंघन किया जाना, आदि ने उनकी छवि को बिगाड़ने में एक बड़ी भूमिका निभाई है।लेकिन कोरोना वायरस महामारी ने इस छवि को सुधारने का काम किया है। कुछ दिनों पहले हुए एक सर्वे में पुलिस बल ने चौथा स्थान हासिल किया है। इससे पहले क्रमशः सशस्त्र बल, प्रधानमंत्री और मेड इन इंडिया का स्थान है।

50वीं मैरिज एनिवर्सरी पर केक लेकर पहुंची पुलिस

तत्कालीन पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय के स्टाफ अफसर दिनेश पुरी को कहीं से बात की जानकारी मिली कि गोमती नगर में रहने वाले डॉ. बीएमएल वरमानी और उनकी पत्नी गीता की शादी की 50वीं सालगिरह है।डॉ. वरमानी के दो बच्चे हैं और दोनों अमेरिका में रहते हैं। 50वीं सालगिरह धूमधाम से मनाने की इस परिवार ने तैयारी तो की थी, लेकिन लॉकडाउन के चलते ऐसा नहीं हो पाया बुजुर्ग दंपत्ति को लॉक डाउन के दौरान अकेलापन महसूस न हो और शादी की 50वीं सालगिरह यादगार बन जाए। लिहाजा दिनेश पुरी खुद केक लेकर दम्पति के घर पहुंचे और केक काटकर उन्हें बधाई दी।

कोर्ट ने कोरोना काल में यूपी पुलिस में तबादलों को अमल में लाने का आदेश किया रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पुलिस विभाग में पुराने तबादलों का क्रियान्वयन कोरोना काल में करने को गलत माना और इसके क्रियान्वयन को रद कर दिया है। साथ ही तबादलों को समय से क्रियान्वित करने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश भी दिया है।याचिकाओं में तबादला आदेशों के साथ वर्ष 2020 में जारी कार्यमुक्त आदेशों को भी चुनौती दी गई थी।

उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों, हेड कांस्टेबलों व कांस्टेबलों का तबादला विगत वर्षों में एक से दूसरे जिले में किया गया था। बरेली, हाथरस, संभल, गाजियाबाद, कानपुर नगर, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर, आगरा आदि जिलों में तैनात पुलिसकर्मियों ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल करके अपना तबादला व कार्यमुक्त करने के आदेशों को चुनौती दी थी।पुलिस कर्मियों के वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का तर्क था कि याचियों का तबादला एडीजी जोन/आइजी रेंज व पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्ष 2019 में एक जिले में निर्धारित कार्यकाल पूर्ण करने या सीमावर्ती जिले में नियुक्त होने के आधार पर किया गया था। याचियों को वर्ष 2019 में किए तबादलों के आदेश के अनुपालन में अक्टूबर व नवंबर 2020 कोरोना संक्रमण महामारी के दौरान सभी संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों द्वारा कार्यमुक्त करने का आदेश पारित किया गया।अधिवक्ता का कहना था कि कार्यमुक्त करने का आदेश उनके सेवाओं की आवश्यकता देखे बिना पारित किया गया, जो नियम विरुद्ध होने के कारण न्यायसंगत नहीं था। याची अधिवक्ता का कहना था कि एक वर्ष पूर्व पारित तबादला आदेशों का क्रियान्वयन अक्टूबर व नवंबर 2020 में करना गलत था। कोर्ट ने चुनौती दिए आदेशों को रद कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आगे इन पुलिस कर्मियों का तबादला उनकी सेवाओं की आवश्यकता को देखते हुए कानून के अनुसार किया जा सकता है।

5 लाख की सुपारी लेकर की गई थी सुजीत की हत्या, दो शूटर गिरफ्तार

मास्टरमाइंड मधुकर ने पुराने केस में जमानत कटवाकर गया जेल, प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में भी आया था नाम

विवेक पाण्डेय

लखनऊ। बहुचर्चित सुजीत पांडेय हत्याकांड में 29 दिसंबर की देर रात पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में ब सामने आया कि सुजीत पांडेय हत्याकांड की साजिश मधुकर यादव ने रची थी। मधुकर मोहनलालगंज का ही रहने वाला है और पूर्व में जेल भी जा चुका है। आरोपित सुजीत पांडेय से राजनैतिक वर्चस्व को लेकर रंजिश रखता था। मधुकर ने गिरफ्तार आरोपितों को हत्या करने के लिए पांच लाख रुपये सुपारी दी थी। पुलिस उसे पकड़ पाती इससे पहले ही उसने मंगलवार को पुराने केस की जमानत कटवा कर जेल चला गया। अब पुलिस उसे रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देने की तैयारी शुरू कर दी है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध नीलाब्जा चौधरी के मुताबिक मुठभेड़ में गिरफ्तार मुलायम यादव पर कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। वहीं बंथरा निवासी अरुण यादव उर्फ छोटू के खिलाफ सात एफआइआर दर्ज है। वहीं सूत्रों का कहना है कि वर्ष 2019 में हुई प्रॉपर्टी डीलर अशोक यादव की हत्या में भी मधुकर का नाम सामने आया था। तब पुलिस ने मधुकर को पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। यही वजह है कि अभी तक अशोक के हत्यारे गिरफ्तार नहीं किये जा सके हैं। पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर के मुताबिक अशोक यादव हत्याकांड की भी छानबीन की जा रही है। सभी बिंदुओं पर पुलिस टीम गहनता से पड़ताल कर रही है।

आरोपित मुलायम पुलिस को लगातार गुमराह करता रहा। आरोपित सोशल मीडिया पर सक्रिय था और सुजीत पांडेय के लिए न्याय की मांग करता रहा। मुलायम अभियान चलाकर हत्यारों को गिरफ्तार करने के लिए सोशल मीडिया पर अभियान भी चला रहा था, जिससे कोई उसपर शक न करे। पुलिस बरामद असलहे की बैलेस्टिक जांच कराएगी। इंस्पेक्टर आशियाना केशव तिवारी के मुताबिक हत्यारोपित ने घटना के दिन जो जूते पहने थे, उन्हें भी बरामद कर लिया गया है।

जेल जाने से पहले रची थी साजिश : मोहनलालगंज में सील फैक्ट्री से 27 हजार लीटर खाद्य तेल चोरी होने के मामले में पुलिस ने 19 दिसंबर को यशोधरा इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर मधुकर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस का कहना है कि मधुकर ने जेल जाने से पहले ही हत्याकांड की साजिश रच दी थी। आरोपित ने भाड़े के हत्यारों से जल्द ही घटना को अंजाम देने के लिए कहा था ताकि कोई उस पर संदेह न कर सके।

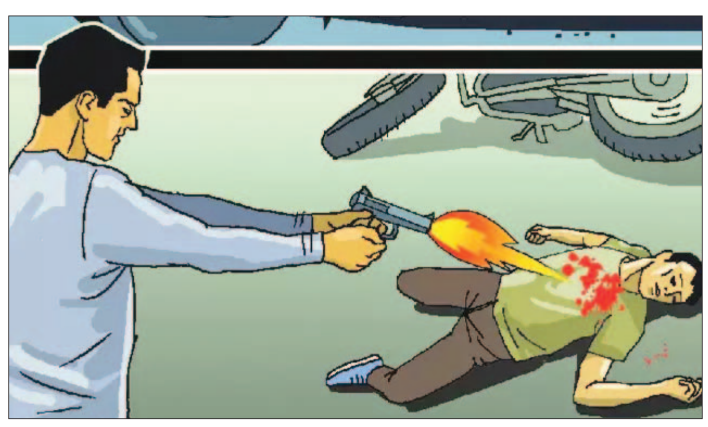

एक तीर से दो शिकार करना चाहता था शातिर

मोहनलालगंज कस्बे मे मकान बनवाने के बाद मधुकर यादव के अंदर चेयरमैन बनाने की लालसा जागी,लेकिन हर दिल अजीज सुजीत पाडें के आगे चुनाव जितना नामुकिन था,वही मधुकर को लगा सुजीत पांडे को ठिकाने लगाने के बाद चेयरमैन पद के दूसरे दावेदार अशोक तिवारी थे,उसे पूर्व के पंचायत चुनाव मे सुजीत के सामने अशोक तिवारी के खड़े होने की बाद दुरिया होने के साथ अदावत का पता चला तो शातिर दिमाग ने एक तीर से दो निशाने का प्लान बनाया,उसको लगा सुजीत की हत्या कराने के बाद सारा इल्जाम उनके प्रतिद्वंद्वी अशोक तिवारी पर आयेगा ओर वो जेल चले जायेगे ओर उसका चेयरमैन बनाने का सपना पुरा होने के साथ क्षेत्र में वर्चस्व भी कायम हो जायेगा।

पांच लाख की सुपारी देकर शूटरो से करायी थी हत्या

कैंट एसीपी डॉं बीनू सिहं ने बताया शातिर दिमाग मधुकर यादव व उसके भाईयों ने सुजीत पांडे को ठिकाने लगाने के लिये शूटरो की व्यवस्था करने का जिम्मा अपने गांव के ही जीतेन्द्र यादव को सौपा ।जिसके बाद जीतेन्द्र ने मुलायम यादव निवासी मरूई व अरूण यादव निवासी रायसिहंखेड़ा थाना बंथरा को पांच लाख रूपये की पेशकश कर सुजीत पांडे की हत्या के लिये राजी किया ओर अपराधी किस्म के मुलायम व अरूण ने हत्याकांड को अंजाम देने के लिये सुजीत पांडे के घर से निकल?ने से लेकर हर जगह जाने तक की रैकी शुरू कर दी थी?।

कचहरी में दिया था हत्या करने का इशारा : यशोधरा इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड आयल मिल में नौ महीने पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापेमारी कर 27537ली0मिलावटी रिफाइंड सोयबीन,सरसो सहित पामोलिन तेल को सील किया,जो कार्यवाही से बचने के लिये आयल मिल से तीनो भाईयो ने गायब करा दिया था,मामले की भनक लगने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने 17दिसम्बर को डायरेक्टर मधुकर यादव व उसके भाईयों राम अचल,हिकंर यादव पर गम्भीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कराया था जिसके बाद पुलिस ने तीनो भाईयों को घर पर छापेमारी कर 18दिसम्बर की रात गिरफ्तार किया ओर 19को कचहरी में हाजिर किया तो वहा से तीनो भाईयो को जेल भेज दिया गया,इसी बीच मधुकर ने मुलायम को कचहरी बुलाकर हत्या का इशारा कर दिया ओर शूटर अरुण व मुलायम ने मौका मिलते ही 20दिसम्बर को भट्ठे पर मुड़ते समय सफारी में बम मारकर सुजीत पांडे को रोकने के साथ उनके गेट खोलकर बाहर निकलते ही गोली? मार कर हत्या कर दी,शूटरो ने पुछताछ में सुजीत पांडे द्वारा बचाव में कई गोलिया चलाने की भी बात कबूली है।

बिचौलिया जीतेन्द्र अब भी फरार

डीसीपी ने बताया कि सुजीत पांडे की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी मधुकर यादव और शूटरों मुलायम और अरुण के बीच सुपारी की रकम की लेनदेन करवाने वाला मोहनलालगंज निवासी जीतेंद्र अब भी फरार है। उन्होंने बताया कि जीतेन्द्र की तलाश में कई जगह दबिश दी गई पर अभी तक पकड़ा नहीं जा सका।

कैंडिल मार्च निकालकर हत्यारो को फांसी देने की मांग

पूर्व प्रधान व व्यापार मण्डल अध्यक्ष के हत्यारोपियों के मुठभेड़ के बाद पकड़े जाने व साजिशकर्ता के नाम खुलासे के बाद मोहनलालगंज व्यापार मंडल के महामंत्री कौशल गुप्ता,रमेश गुप्ता,राजू मिश्रा सहित सैकड़ो व्यापारियों ने कस्बे में शान्ति पूर्वक कैंडिल मार्च निकालकर सुजीत पांडे के हत्यारो व साजिशकर्ताओ को फांसी देने की मांग की है।

गुपचुप तरीके से कटवाई जमानत, गया जेल

सुजीत पांडेय की हत्या के के मुख्य साजिशकर्ता मधुकर यादव एक पुराने मामले में अपनी जमानत कटवा कर गुपचुप ढंग से जेल चला गया। पुलिस के लाख प्रयासों के बावजूद भी मधुकर गिरफ्तार नहीं किया जा सका। अब मोहनलालगंज पुलिस मधुकर को सुजीत पांडेय की हत्या के मामले में पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की बात कह रही है। डीसीपी साउथ रवि कुमार ने बताया कि सुजीत पांडेय की हत्या के मामले में मधुकर यादव का नाम सामने आने के बाद से लगातार पुलिस की टीम उनकी तलाश में दबिश दे रही थी। इस बीच मधुकर ने कोर्ट में सरेंडर के लिए आवेदन भी किया था। उन्होंने मधुकर के कई करीबियों को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया था। इस बीच मधुकर ने बड़ी चालाकी से मंगलवार को एक पुराने मामले में अपनी जमानत करवा दी और फिर गुपचुप ढंग से जेल चला गया। डीसीपी ने बताया कि मधुकर लगातार पुलिस की कार्रवाई से परेशान था और इसी के चलते उसने तेल चोरी के मामले में अपनी जमानत कटवाई और जेल चला गया। उन्होंने बताया कि अब जल्द ही मोहनलालगंज पुलिस सुजीत पांडेय की हत्या के मामले में पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

व्यापारियों ने दुकानों की सुरक्षा हेतु रात्रि गश्त बढ़ाने पर दिया जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के बैनर तले बुधवार को व्यापारियों व पुलिस अधिकारियों को बीच एक बैठक पुरनिया चौराहे पर स्थित एक होटल में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रुप से सर्राफा व्यापारियों की दुकान बंद करने का समय पुलिस गशत बढ़ाने, थाना मड़ियांव के अंतर्गत घैला पुल एवं बंधे रोड पर अराजक तत्वों के जमावड़े , व्यापारियों की दुकानों की सुरक्षा हेतु रात्रि गश्त बढ़ाने आदि प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी नॉर्थ रईस अख्तर, विशिष्ट अतिथि एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव एवं एसीपी अखिलेश सिंह उपस्थित रहे। डीसीपी रईस अख्तर एवं एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव द्वारा व्यापारियों को नव वर्ष में पुलिस की नवीन कार्यशैली एवं उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी एवं उनकी टीम द्वारा इंदिरा नगर में हुई लूट कांड घटना के त्वरित खुलासे पर डीसीपी एवं उनकी समस्त पुलिस टीम का पुलिस शौर्य सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

30 करोड़ की लागत से जानकीपुरम में विकास कार्य हुए : डॉ नीरज बोरा

लखनऊ। जानकीपुरम वार्ड द्वितीय की पार्षद खूशबूराखी मिश्रा व भाजयुमो के नगर उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा की ओर से सोमवार को सामुदायिक केंद्र जानकीपुरम में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर करीब सौ जरुरतमंदो को कंबल वितरित किये। क्षेत्रीय विधायक डा. नीरज बोरा ने कहाकि जानकीपुरम वार्ड-द्वितीय में विकास कार्यों की गंगा बही है, अब तक 30 करोड़ की लागत से विकास कार्य हो चुके हैं। भाजपा के वरिष्ठ युवा नेता नीरज सिंह ने कहा कि बड़े-बड़े कार्य तो हो ही रहे है लेकिन कंबल वितरण जैसे छोटे-छोटे कार्यों को भी पूरा करने का कार्य भी केंद्रीय रक्षामंत्री की प्रेरणा से किया जा रहा हैं। इस मौके पर भाजपा के नगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, महामंत्री राम औतार कनौजिया, पार्षद राघवराम तिवारी, रामभुवन मिश्रा, अभिषेक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, संजय तिवारी, धनराज मिश्रा सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महानगर पुलिस ने महज आधा घण्टे में मासूम को ढूंढ निकाला

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। प्रेमलता पत्नी प्रभात निवासी अर्जुनगंज थाना - शुशांत गोल्फ सिटी जनपद लखनऊ आज शाम अपने पुत्र हनु (05) को लेकर थानाक्षेत्र महानगर अन्तर्गत्त लगने वाली साप्ताहिक बुद्ध बाजार में आवश्यक खरीदारी करने आई थी। जहा भीड़ में उनका पुत्र हनु कही गुम हो गया , जिसकी सूचना पीड़िता ने तत्काल महानगर चौराहे पर मुस्तैद प्रभारी निरीक्षक महानगर यशकांत सिंह को दी। जिस पर मामले को गम्भीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक महानगर ने हनु की गुमशुदगी की सूचना फौरन वायरलेस सेट से महानगर पुलिस को टीम को दी तथा स्वयं अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को लेकर नाबालिग हनु की तलाश में जुट गए ।

परिणाम स्वरूप महज 30 मिनट के भीतर महानगर पुलिस के अथक प्रयासों के चलते नाबालिग हनु को उसकी माता प्रेमलता को सकुशल बरामद कर उन्हें सौंप दिया गया । अपने पुत्र को पुनः सकुशल पाकर प्रेमलता ने लखनऊ पुलिस को अश्रुपूरित होकर धन्यवाद दिया तथा अपने पुत्र को सकुशल वापस लेकर अपने घर चली गयी।

ब्लाक परिसर में किसान मेला, गोष्ठी तथा प्रदर्शनी का आयोजन

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। कृषि विभाग द्वारा किसान कल्याण मिशन केअन्तर्गत बुधवार को माल खण्ड विकास कार्यालय परिसर में किसान मेला गोष्ठी तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती सेआय दूनी करने के लिए औषधीय खेती तथा मृदा स्वास्थ्य की विशेष जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक जय देवी कौशल ने महिलाओं को रोजगार के प्रति जागरूक बनने का मंत्र दिया।उक्त अवसर पर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं नेअपने उत्पादो की प्रदर्शनी लगाकर लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

ब्लाक परिसर में बुधवार को कृषि विभाग द्वारा किसान कल्याण मिशन के अंतर्गत किसान मेला,गोष्ठी तथा प्रदर्शनी का आयोजन कर किसानों की आय दूनी करने हेतु औषधीय खेती करने का सुझाव दिया गया।कृषि सलाहकार सुरेश राजपूत ने मधुमक्खी पालन तथा मशरूम उत्पादन की जानकारी प्रदान की।औषधीय खेती के विशेषज्ञ डॉ, राकेश कुमार सिंह ने बागों की खाली भूमि पर पिपली की खेती करने तथा लेमन ग्रास,तुलसी, रौसेला,दुद्धी,की खेती और खाली भूमि पर महोगनी के पेड़ लगाकरआय में वृद्धि करने का सुझाव दिया।कार्यक्रम में तकनीकी प्रबन्धक डॉ, ज्ञानेश्वर सिंह ने जैविक खाद के प्रयोग को उपयोगी बताते हुए कहा कि रसायनों के लगातार किये गए प्रयोग से मृदा का स्वास्थ्य खराब हो गया है।भूमि में जहरीले तत्वों की वृद्धि से उत्पादित वस्तुओं का अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपेक्षित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।जिससे किसानों को उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संजीवनी माटी नामक जैविक खाद का प्रयोग कर मृदा को स्वस्थ बनाने तथा गुणवत्तापरक उत्पादन बढ़ाने का सुझाव दिया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायिका जय देवी कौशल ने स्वयं सहायता समूहों की उपस्थित महिलाओं को रोजगार की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कार्यक्रम की सराहना की।कार्यक्रम में कृषि विभाग के एस,डी,ओ,रवींद्र सिंह , बीडीओ प्रतिभा जायसवाल, तथा एडीओ पंचायत अनिल मिश्र, आदि ने उपस्थित किसानों को आय बढ़ाने हेतु कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाये गए उपायों को अमल में लाने की सलाह दी।कार्यक्रम में उजाला स्वयं सहायता समूह,शिव आजीविका समूह सहित आधा दर्जन महिला समूहों ने प्रदर्शनी लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

सेवा कर बीकेटी की धड़कन में बस गए ललन कुमार

राजकिशोर शुक्ला

लखनऊ। बीकेटी विधानसभा वैसे शुरुआत से ही ऐसी कर्मस्थली है जहां अटल विहारी बाजपेयी से लेकर राजनाथ सिंह समेत कई दिग्गज नेता यहां के लोगों के दिलो जान में अपनी जगह बना चुके है। इसी रास्ते पर एक युवा नेता लगातार क्षेत्र की जनता के बीच में जाकर सेवा भाव से लगा नजर आरहा है जिसका नाम है ललन कुमार। लोगों का कहना है कि इलाके के किसी भी गांव के बुजुर्ग गरीब या जरूरतमंद को कोई समस्या होती है तो वह एकबार ललन कुमार को जरूर याद करता है।

यही कारण है कि उत्तर प्रदेश काँग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक ललन कुमार को लखनऊ की बख्शी का तालाब विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों, गाँवों के नागरिकों से भारी स्नेह मिल रहा है। ललन कुमार की शिक्षा की अगर बात की जाए तो उन्होंने एमबीए के साथ ही लखनऊ आईआईएम से पढ़ाई की है। अच्छी शिक्षा होने साथ ही ललन कुमार ज़मीन से जुड़े हुए नेता और सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। कोरोना काल में हुए लॉकडाउन में वह निरंतर लोगों की सहायता के लिए कार्य करते रहे। उन्होंने इस मुश्किल वक़्त में कई घरों में राशन एवं अन्य ज़रूरत की चीजें पहुँचायीं।

लॉकडाउन में हुए मजदूरों के महापलायन में भी ललन कुमार पैदल जा रहे मजदूरों के लिए सहायक सिद्ध हुए। लॉकडाउन में बेरोजगार हो चुके युवा, काम न मिलने के कारण घर बैठे मजदूरों के जीवन में भारी निराशा घर कर गयी थी। इसी दौर में जब उनकी उम्मीदें टूटने लगीं तो ललन कुमार एक दोस्त, भाई और बेटे की तरह उनके जीवन में आए। हर स्तर पर लोगों की सहायता करके उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई। ललन कुमार कहते हैं कि उनकी जन्मभूमि भले ही बिहार हो मगर उनकी कर्मभूमि लखनऊ ही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में किये गए दौरों के दौरान उन्होंने जाना कि जनता बहुत परेशान है। किसी के पास घर नहीं है तो कई लोग स्वच्छ जल के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले क़दम के इंतज़ार में हैं।

बस ये ही नहीं युवाओं को रोज़गार से जोड़ना, बीमारों का इलाज कराना, कन्याओं की शादी में अपना सहयोग देना इत्यादि कार्य करके उन्होंने न जाने कितनों का आशीर्वाद प्राप्त किया है। क्षेत्र के लोग उनकी दरियादिली की प्रशंसा करते हुए नहीं थकते।

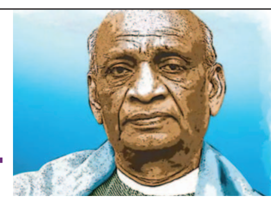

आज हमें ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, जाति-पंथ के भेदभावों को समाप्त कर देना चाहिए।
–सरदार पटेल

एक नजर

सहारा ग्रेस की महिलाओं ने बांटे कम्बल

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। जानकीपुरम स्थित सहारा ग्रेस की महिलाओं ने नेकी की दीवार के तहत रविवार को 100 असहाय लोगों को कम्बल, पुराने कपड़े वितरित किया। समाजसेविका रेणुका सिंह ने बताया कि ग्रेस की महिलाएं पिछले कई सालों से असहाय लोगों को कपड़े वितरित कर रही है। हमारी सोच है कि साल में एक बार जरूरतमन्द लोगों की मदद की जाए। कार्यक्रम में ईनु, राधा, सविता, सीमा, रेणुका, रागिनी, रीमा, अर्चना, रशिम, रीता, नीलम, उर्मिला, मीनू व सुनील आदि उपस्थित रहे।

लुइस ब्रेल दिवस पर कम्बल वितरण

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। लुईस ब्रेल दिवस के अवसर पर लेखराज डॉलर, प्रथम तल, इंदिरानगर के प्रांगण में आयोजित समारोह में 61 दृष्टि दिव्यांग बच्चों को कम्बल वितरित किए गए।समारोह में एडीएम फाइनेंस विपिन कुमार मिश्रा, एसीएम सप्तम शैलेन्द्र सिंह, आपदा प्रबंधक अमर सिंह ने लुईस ब्रेल के चित्र पर माल्यार्पण किया। महासचिव डॉ शशि प्रभा गुप्ता द्वारा सभी अतिथियों एवं बच्चों के स्वागत के साथ किया गया। तत्पश्चात उपाध्यक्ष अमिता दुबे द्वारा संस्था में चल रहे कार्यकलापों के विषय में विस्तृत जानकारी दी। बच्चों ने केक काटकर एवं नववर्ष की शुभकामनाएं देकर नव वर्ष का उत्सव भी मनाया।

विधान परिषद की 12 सीटों पर चुनाव का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 12 सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को विधान परिषद चुनाव का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया। जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना 11 नवंबर को जारी की जाएगी। प्रत्याशी 11 से 18 जनवरी तक पर्चा दाखिल कर सकेंगे। 19 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच और 21 जनवरी को नाम वापसी होगी। मतदान 28 जनवरी को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना भी शुरू हो जाएगी। वहीं बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में 30 जनवरी को विधान परिषद की 12 सीटें रिक्त हो रही हैं। इससे पहले ही निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। जिसके बाद से विधान परिषद में जो 12 सीट खाली हो रही हैं उनमें समाजवादी पार्टी के अहमद हसन, रमेश यादव, आशु मलिक, रामजतन राजभर, वीरेंद्र सिंह और साहब सिंह सैनी हैं। जानकारी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी के डॉ. दिनेश शर्मा, स्वतंत्र देव सिंह और लक्ष्मण प्रसाद आचार्य हैं। बहुजन समाज पार्टी के धर्मवीर सिंह अशोक, प्रदीप कुमार जाटव और नसीमुद्दीन सिद्दीकी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इनमें नसीमुद्दीन कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। उनकी विधान परिषद की सदस्यता खत्म की जा चुकी है।

सड़क पर सो रहे लोगों को दिया कम्बल

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। नव वर्ष पर सर्वजन कल्याण एसोसिएशन के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों इंदिरा नगर, खुर्रम नगर, टेढ़ी पुलिया, विकास नगर, अलीगंज, निशातगंज, पॉलिटेक्निक गोमती नगर में सड़क पर सो रहे एवं अन्य जरूरतमंद लोगों को कंबल एवं ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। वही त्रिवेणी नगर स्थित अनूप यादव के द्वारा संचालित गंगोत्री शिशु गृह में निवास करने वाली 11 बच्चियों को भी कंबल वितरित किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष अशोक उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय चतुर्वेदी, प्रदेश प्रवक्ता हेमंत भसीन, प्रदेश महासचिव सचिन कटिहार, नगर अध्यक्ष विशाल अंकुर, मोहित कुमार सहित एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ठाकुरगंज में जमीन के विवाद में युवक को गोलियों से भून डाला

मरने वाला एक सांसद का करीबी प्रॉपर्टी डीलर और उसका भतीजा नामजद

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। ठाकुरगंज में जमीन के विवाद में एक युवक को दिनदहाड़े बदमाशों ने गोलियों से भून डाला। बेखौफ बदमाशों ने 13 से अधिक फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। टना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक के परिवारीजनों की तहरीर पर पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर सुशील यादव व उसके भतीजे रिशू यादव के विरुद्ध हत्या व अन्य धराओं में एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की रिकार्ड में आरोपी रिशू का आपरधिक इतिहास भी सामने आया है।

पुलिस के मुताबिक ठाकुरगंज की रिंग रोड चौकी के पास प्रॉपर्टी डीलर सुशील यादव व उसके साथियों ने मंगलवार को दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर विपिन विश्वकर्मा (24) की हत्या कर दी। प्रॉपर्टी डीलर ने विवाद निपटाने के बहाने उसे ऑफिस बुलाया था, जहां झगड़ा शुरू हो गया। दोनों ओर से पथराव हुआ। प्रापर्टी डीलर व उसके साथियों ने विपिन के सिर पर दो गोलियां मारीं और हवाई फायरिंग करते हुए भाग गए। विपिन के बड़े भाई नितिन ने सुशील, रिशू यादव व उनके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ हत्या की एफआईआर कराई। पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर का कहना है कि आरोपियों की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। एसीपी चौक आईपी सिंह ने बताया कि दुबग्गा के माधोपुर का विपिन प्रॉपर्टी का काम करता था। सुबह नौ बजे वह सूरज रावत के साथ घर से बाइक लेकर कनक सिटी के पास प्लॉट देखने की बात कहकर निकला। इलाके के लालाबाग रमना का सुशील यादव भी कनक सिटी के पास प्लॉटिंग कर रहा है। दोनों में जमीन को लेकर पहले से विवाद था। रविवार को भी किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था और सुशील ने विपिन की पिटाई कर उसका मोबाइल फोन छीन लिया था। मंगलवार दोपहर उसने विपिन को कॉल कर मोबाइल फोन ले जाने के लिए बुलाया।पुलिस के मुताबिक विपिन उसकी साइट के ऑफिस पहुंचा, जहां सुशील के अलावा उसका भतीजा रिशू व दो अन्य लोग थे। बातचीत के दौरान दोनों में झगड़ा होने लगा। विपिन व उसके साथ मौजूद सूरज रावत, अविनाश व अन्य दोस्तों ने विरोध किया तो मारपीट शुरू हो गई। दोनों पक्ष ने जमकर ईंट-पत्थर चलाए। विपिन के साथियों का कहना है कि सुशील और रिशू ने असलहे निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। रिशू ने विपिन पर गोलियां चलाईं। सिर पर दो गोलियां लगने से वह गिर पड़ा। इसके बाद हमलावर फायरिंग करते हुए भाग निकले। विपिन को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सांसद के बेटे के साथ कर रहा था काम

पिता रामचंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि विपिन मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर के बेटे के साथ प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। उसकी हत्या की खबर सुनकर सांसद पुत्र भी ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और पुलिस से जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि रामचंद्र परचून की दुकान के साथ प्रॉपर्टी का काम भी करते हैं। विपिन के अलावा उनका बड़ा बेटा नितिन है, जो निजी कंपनी में नौकरी करता है। अभी किसी बेटे की शादी नहीं हुई थी।

अपहरण और हत्या का आरोपी है रिशू

एसीपी ठाकुरगंज आईपी सिंह ने बताया कि आरोपी रिशू के खिलाफ 3 जून 2017 में तालकटोरा के केतन विहार, सरीपुर निवासी राजकुमार चौहान ने एफआईआर दर्ज करवाई थी, कि उनके बेटे हर्ष को रिशू उर्फ ऋषभ यादव ने कॉल करके बुलाया था। इसके बाद उसको अपने साथी की मदद से अगवा कर लिया था। बाद में उसकी गोली मार कर हत्या करके शव को पारा स्थित मायापुरम इलाके में फेंक दिया था। इस मामले में पहले पुलिस ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की थी। हर्ष का शव मिलने के बाद हत्या समेत अन्य धाराएं बढ़ा दी गईं थीं। पुलिस ने रिशू को इस मामले में गिरफ्तार जेल भी भेजा था। तालकटोरा पुलिस उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है। पुलिस के मुताबिक आरोपित मौजूदा समय में जमानत पर बाहर है।

मड़ियांव गांव में विवाहिता की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जानकीपुरम के मड़ियांव गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका के पिता ने ससुराल वालो पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने विवाहिता के पति, ससुर व सास को गिरफ्तार कर लिया है।

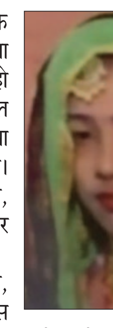

पुलिस ने बताया कि रुदौली, अयोध्या निवासी मोहम्मद रईस ने अपनी बेटी मीना खातून (30) की शादी 7 मार्च 2016 में जानकीपुरम के मड़ियांव गांव निवासी इरशाद पुत्र अबुल हसन के साथ की थी। मृतिका के पिता रईस ने बताया कि दोपहर करीब 140 बजे पड़ोसियों से सूचना मिली कि मीना की मौत हो गई है।

बेड के पास नीचे पड़ी थी मृतका

विवाहिता मीना की सास फरीदाबानो ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे मीना दिखाई नही दे रही थी। आवाज लगाते हुए उसके कमरे में गई तो देखा कि वह बेड के नीचे पड़ी है। जिसके बाद उसे उठाकर हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दहेज में हत्या किए जाने का आरोप

विवाहिता मीना के पिता रईस का आरोप है कि शादी के समय उन्होंने दहेज में मोटरसाइकिल व अन्य सामान दिया था। कुछ दिन बाद मीना के ससुराल वालों ने दहेज में कार व दो लाख रुपये नकद की मांग करते हुए बेटी को प्रताड़ित करने लगे। जिसके बाद रईस ने बेटी मीना को कार व दो लाख रुपये नकद देकर ससुराल भेज दिया। रईस का आरोप है कि कुछ दिनों तक सब ठीक चला। उसके बाद दहेज में मकान की मांग को लेकर मीना को प्रताड़ित करने लगे। आरोप यह भी है कि मंगलवार की दोपहर मीना के ससुर अबुल हसन, सास फरीदा बानो, पति इरशाद, ननंद हुसना ने गला दबाकर बेटी मीना की हत्या कर दी। पड़ोसियों से उन्हें मीना की मृत्यु की खबर मिली।

वीडियोग्राफी के साथ होगा पोस्टमार्टम

मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार विवेकानन्द मिश्रा ने इंस्पेक्टर को मृतका का पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी के साथ कराने के लिए आदेशित किया है। इंस्पेक्टर रणजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि मृतका के पिता रईस की तहरीर पर ससुर अबुल हसन, सास फरीदा बानो, पति इरशाद, ननंद हुसना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वही अबुल हसन, फरीदा व इरशाद को गिरफ्तार किया गया है।

बिजली संविदाकर्मियों के काम के घंटे तय हो

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बिजली संविदा कर्मियों के कार्य के लिए 8 घंटे की समय सीमा तय होनी चाहिये और यदि 8 घंटो से ज़्यादा काम कराया जाए तो उन अतिरिक्त घण्टे का भुगतान होना चाहिए। बीकेटी खण्ड के अन्तर्गत जीपीआरए उपकेंद्र पर बुधवार को उप्र बिजली मज़दूर संगठन बीकेटी लेसा इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में उक्त मांगे कार्मिकों ने की।

प्रदेश महामंत्री सुहेल आबिद ने प्रदेश के संविदा कर्मचारियों को 8 घंटे का काम करने व सप्ताह में एक दिन का अवकाश दिए जाने का आश्वासन दिया। बैठक में प्रांतीय संगठन मंत्री अमिताभ सिन्हा, गुफरान वारसी, संजय यादव व माबूद अहमद सहित सैकड़ों संविदा कर्मी शामिल हुए। इस अवसर पर बीकेटी की खंडीय कमेटी का गठन किया। जिसमें सचिन पांडेय को अध्यक्ष, रंजीत शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बलराम गुप्ता, निश्चल चौधरी, राकेश यादव को उपाध्यक्ष, दीपक वर्मा को कार्यवाहक अध्यक्ष व विजय त्रिपाठी को मंत्री चुना गया।

नाटक शिक्षा की लौ का मंचन

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मदर सेवा संस्थान एवं गाडगे फाउंडेशन भारत के संयुक्त तत्वावधान में माता सावित्रीबाई फुले की जयंती का आयोजन चबूतरा थिएटर पाठशाला रविदास पार्क, डालीगंज में किया गया । इस मौके पर ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश चौधरी (एडवोकेट) गाडगे फाउंडेशन ने कहा कि शिक्षित होना हर बच्चें का अधिकार है। श्री चौधरी ने चबूतरा थिएटर पाठशाला के बच्चों के कार्यों और उनके हुनर की तारीफ करते हुए कहा कि फुले दम्पति ने फातिमा बीबी के साथ छोटे से कमरे में तीन-चार बेटियों को पढ़ाने की शुरूआत की थी। चबूतरा थियेटर की सोनाली वाल्मीकि ने सावित्रीबाई फुले पर केंद्रित नाटक शिक्षा की लौ प्रस्तुत किया। जिसमे स्नेहा गौतम, खुशी गौतम,नीलिमा चौधरी, नैनसी वाल्मीकी, शिखा वाल्मीकि ने विभिन्न चरित्र निभाए।

ग्रुप-सी की टीमों में ब्वायज विंग विजयी

लखनऊ। बाल निकुंज इण्टर कालेज, मोहिबुल्लापुर लखनऊ के ग्राउण्ड में श्री शिवसहाय जी क्रिकेट टूर्नामेण्ट में ग्रुप सी0 की चार टीमों के मध्य खेले गये क्रिकेट मैच के फाइनल में ब्वायज विंग ने बेलीगारद शाखा को 27 रन से हराकर जीत अर्जित की। नॉकआउट बेस पर खेले गये फाइनल मैचों में सबसे पहले बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल पलटन छावनी और ब्वायज विंग के मध्य मैच हुआ जिसमें ब्वायज विंग ने 74 रनों से पलटन शाखा की टीम पर धमाकेदार जीत हासिल की।

फाइनल का दूसरा नॉकआउट मैच बेलीगारद व डे-बोर्डिंग के मध्य हुआ जिसमें डे-बोर्डिंग ने पहले खेलते हुए 47 रन बनाये। जवाब में बेलीगारद की टीम ने 3 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इसके उपरांत खेला गया फाइनल मैच ब्वायज विंग व बेलीगारद शाखा के मध्य हुआ जिसमें ब्वायज विंग शाखा ने 27 रन से हराकर धमाकेदार जीत हासिल की। मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार रमन को दिया गया, जिन्होंने शानदार बालिंग करते हुए 4 विकेट लिये और बैटिंग करते हुए अपनी टीम को 30 रन का योगदान दिया। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि दरोगा जफर मेंहदी व कालेज कोआर्डिनेटर सुधीर मिश्रा ने पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। ग्राउण्ड मैनेजर विकास यादव, अंपायर रवि कुमार, टी0पी0 सर व स्कोरर आनन्द शुक्ला, सुश्री भावना, रितेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। प्रबंध निदेशक एच.एन. जायसवाल ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियां का परिचय लिया।

बाल निकुंज में श्री शिवसहाय जी क्रिकेट टूर्नामेण्ट फाइनल

बीकेटी के सम्पूर्ण समाधान दिवस में 154 शिकायतें दर्ज, 7 का निस्तारण

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बीकेटी में मंगलवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता एडीएम वित्त वीके मिश्रा ने की। यहां कुल 154 शिकायते दर्ज हुई, जिसमे से मौके पर 7 शिकायतो का निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों का एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

जनसुनवाई के दौरान अपनी फरियाद सुनाते हुए सलेमपुर निवासी जगदीश ने बताया कि वह मनरेगा मजदूर है। उनका आरोप है कि रोजगार सेवक मुनेश्वर यादव ने उनसे अपना निजी काम करवाने को कहा। जिसका उसने विरोध किया था। इससे नाराज होकर मनरेगा में काम करने से मना कर दिया और शिकायत करने पर धमकी दे रहा है। वहीं अरुण कुमार सिंह निवासी शिवपुरी ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में आजादी के बाद से अब तक कोई भी नलकूप नहीं लगा जिससे गांव के किसानों को सिंचाई में परेशानी होती है। मातादीन निवासी मदारीपुर ने बताया कि वह 80 साल के वृद्ध है जिनको काफी समय से वृद्धावस्था पेंशन मिल रही थी। जिससे उनकी गुजर बसर हो रही थी। परन्तु सरकारी दस्तावेजों में बिना जानकारी के उनको मृत घोषित कर दिया गया जिससे उनकी पेंशन आना बंद हो गई। सर्वेश कुमार यादव निवासी अजनहर कला ने बताया कि उनका बिजली का मीटर काफी समय से खराब पड़ा है और बिल अधिक मात्रा में आ रहा है, जिसकी शिकायत वह पहले कई बार कर चुके है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। रेनू रावत निवासी केसर मऊ खुर्द इटौंजा ने बताया कि उसे गांव के है मुन्नी लाल जयकरण संतोष आदि ने बीते 5 सितंबर की रात को घर में घुस कर परिवार समेत मारा पीटा था जिसकी रिपोर्ट उसने इटौंजा थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन आज तक उसकी कोई सुनवाई नहीं की गई यही कारण है कि आरोपी आय दिन पीड़ित परिवार को धमकी देते रहते है। उपरोक्त सभी मामलों की सुनवाई करते हुए एडीएम ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उप्र में बर्ड फ्लू को नहीं फैलने देंगे : लक्ष्मी नारायण चौधरी

लखनऊ प्रदेश में बर्ड फ्लू को लेकर योगी सरकार बेहद अलर्ट हो गई है। लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर इसे लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

प्रदेश के पशुपालन मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने पशुधन विभाग के निर्देशक को निर्देश दिए हैं कि वे राज्य के चारों कोनों से बर्ड फ्लू के नमूने लेकर टेस्ट करें। इस बीमारी की क्या उचित दवाई हो सकती है, इसके सम्बन्ध में चर्चा की जाए। हम प्रदेश में बर्ड फ्लू को नहीं फैलने देंगे

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग और पशुपालन विभाग को राज्य में पूरी तरह सतर्क रहने को कहा है, जिससे किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। उन्होंने कहा है कि देश के कुछ राज्यों से बर्ड फ्लू को लेकर आ रही आशंकाओं के मद्देनजर पूरी तरह से सतर्कता बरती जाए।

प्रदेश से सटे दूसरे राज्यों में पक्षियों में फैले बर्ड फ्लू के चलते यहां भी सतर्कता बढ़ायी जा रही है। हालांकि अभी तक उत्तर प्रदेश से किसी प्रकार के पक्षियों के मरने का कोई मामला सामने नहीं आया है। लेकिन, सरकार पहले से अलर्ट हो गई है। पशुपालन विभाग के मुताबिक किसी भी जनपद से अभी ऐसा कोई मामला रिपोर्ट नहीं हुआ है।

दिल की धड़कन है लखनऊ : सुरक्षा

प्रियंका मिश्रा

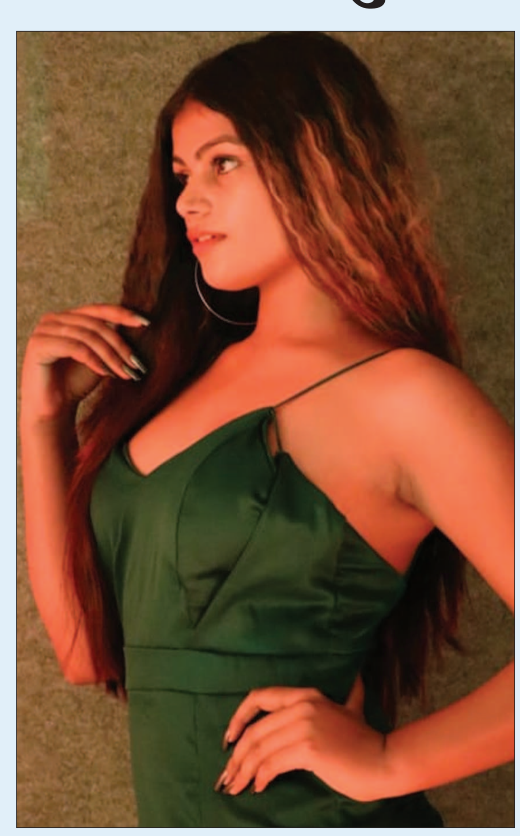

लखनऊ। बॉलीवुड नायिका सुरक्षा मिश्रा आजकल मुम्बई को भुलाकर लखनऊ में अपने भविष्य की तलाश कर रही है। सुरक्षा का मानना है कि काम करने के लिए कही भी रुका जा सकता है। उन्होंने क्राइम रिव्यू से बात करते हुए यह भी बताया कि लखनऊ आने वालों के दिल में बस जाता है। एक बार आने के बाद फिर यहां से जाने का दिल नही होता। उन्होंने बताया कि लखनऊ के लोग भी बहुत दिलवाले है। मुम्बई जैसे शहरों में लोग इतना व्यस्त है कि सामने वालों के लिए कोई फीलिंग्स नही होती जबकि लखनऊ के लोग सबके लिए दिल लुटाते नजर आते हैं।

सुरक्षा मिश्रा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखमीपुर से है। इनके पिता श्याम किशोर मिश्र वहां के बेहतर बिजनेसमैन है। सुरक्षा ने दिल्ली से पढ़ाई के बाद मुम्बई जाकर बॉलीवुड की दुनिया-2016 में कदम रखा था। बहुत कम समय में उनकी प्रतिभा ने उनको स्टार बना दिया। 2017 में उन्होंने एक साथ कई फिल्मों में लीड कैरेक्टर का परफॉर्मेंस किया। जिसमें गुजराती फिल्म रणछोर आदि शामिल है। सुरक्षा को 2018 में मिस इंडिया टीनेज के सम्मान से नवाजा गया। इसके पहले वह 2017 में मिस यूपी भी रह चुकी है। फिलहाल सुरक्षा आजकल लखनऊ को दिल में बसाने के लिए लखनऊ आई है, और अपने कॅरियर को यही से आगे बढ़ा रही है। सुरक्षा ने बताया कि अप्रैल से उनकी एक शूटिंग स्टार्ट हो रही है जिसका शूट लखनऊ के साथ वृंदावन में भी होगा। इस समय वह लखनऊ की नामचीन बिल्डर्स कम्पनी श्रेष्ठ डेवलपर्स से जुड़कर प्रचार प्रसार कर रही है। सुरक्षा ने लखनऊ के जायके की दिल खोल कर तारीफ की।

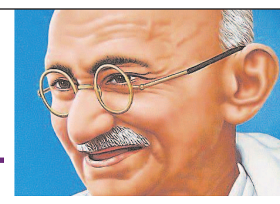

खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है, खुद को दूसरों की सेवा में खो दो।
- गांधी जी

नया वर्ष 2021 कैसा होगा?

पिछला वर्ष 2020 पूरे विश्व के लिए ऐसी महामारी लेकर आया जिसे हम कोविड-19 के नाम से जानते हैं। इस महामारी ने पूरे विश्व को हिलाकर रख दिया। ऐसा लगा मानो इस महामारी की चपेट में आकर मानव जाति का सफाया हो जाएगा। किंतु समाज के जिम्मेदार व्यक्तियों के अथक प्रयासों से महामारी पर बहुत हद तक काबू पाया जा सका। सभी लोगों को इस महामारी से बचने के लिए मास्क लगाने, हाथों को बार-बार साबुन से धोने, सैनिटाइजर का प्रयोग करने, आपस में दूरी बनाए रखने जैसी जरूरी हिदायतें देना और उन्हें इसके लिए जागरूक बनाना भी एक बड़ी चुनौती था, पर हमारी सरकार और मीडियाकर्मियों ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई और इस महामारी को तेजी से फैलने से बचाया। फिर भी कुछ लोगों की लापरवाही, अज्ञानता और दुष्प्रयासों ने कइयों की जान ले ली।

खैर अभी कोरोना जैसी महामारी का अंत तो नहीं हुआ पर 2021 की शुरुआत में ही इसकी वैक्सीन मिल गई है, यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा तोहफा है सन 2021 का। किंतु अब ब्रिटेन से कोरोना के एक शक्तिशाली स्ट्रेन के आने की खबर ने फिर से सबको डरा दिया है। अब सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या जिस वैक्सीन का आविष्कार हुआ है वह कोरोना के इस नए स्ट्रेन पर कारगर सिद्ध होगी? कई लोगों का मानना है कि हां यह कारगर सिद्ध होगी पर पूरी तरह से निश्चित न होने के कारण आशंका तो बनी ही हुई है।

जाते-जाते यह वर्ष हमारे दिल में अनेकों घाव दे गया है। पर इन घावों पर मरहम भी हमें ही लगाना होगा। इस महामारी ने अनेक शक्तिशाली देशों की अर्थव्यवस्था को भी चौपट करके रख दिया है। लोग शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर पड़ गए हैं। फिर भी मौजूदा स्थितियों में हमें साहस बनाए रखना है। पर्याप्त साधनों का प्रयोग कर फिर से जीवन को पटरी पर लाने की चेष्टा करनी है। बीते समय से सीख लेना और आगे बढ़ते जाना यही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। भले ही बीता वर्ष अनेकों कटु यादों और अनुभवों से भरा रहा हो किंतु इसे हमें एक कड़वी दवा समझकर स्वीकार करना चाहिए। जीवन में लगने वाली ठोकरें भी हमें कुछ न कुछ सिखा कर ही जाती हैं, यही समझ कर हमें इस वर्ष की यादों को भी अपने जीवन में सहेज कर रखना है। सभी चाहते हैं कि उन्हें जीवन में सुख ही सुख मिले किंतु जीवन तो धूप-छांव की तरह है यहां कभी सुख हैं तो कभी दुख। दिन-रात की तरह जीवन के इन दोनों पहलुओं को स्वीकार कर लेना ही जीवन जीने की कला है और इस कला में हमें माहिर होना चाहिए। कोरोना काल में गरीब और मजदूर वर्ग की व्यथा ने सभी के दिलों को बहुत आहत किया है। कितने ही मजदूर और गरीब इस कोरोना काल के ग्रास बन गए।

कुछ लोगों का मानना है कि वर्ष 2021, वर्ष 2020 से बेहतर रहेगा, पर कुछ का मानना है कि यह पिछले वर्ष से भी खराब जाएगा। अनेकों भविष्यवाणियां की जा रही हैं किंतु वास्तविकता तो समय के साथ ही पता चलेगी। जो भी हो हमें आशान्वित होकर सन 2021 में हौसला रखना है। परिस्थितियां कैसी भी हों उनका डटकर मुकाबला करना ही जीवन की परीक्षा में सफल होने के लिए जरूरी है। यदि हम पहले ही निराशा और हताशा को अपने मन में बैठा लेंगे तो फिर किसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करने के काबिल नहीं रहेंगे। हमारा दायित्व है कि हम स्वयं संभलें और अपने आसपास जितना संभव हो दूसरों को भी संभालें। यदि ये आत्मिक चेन मजबूत होगी तो कोई भी विपरीत परिस्थिति या महामारी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। इसलिए भले ही हमें एक-दूसरे का हाथ थामने की मनाही हो, पर हम दिल से एक-दूसरे से जुड़े रहें और यह जुड़ाव पूरे विश्व स्तर पर होना चाहिए, तभी हम इस महासंकट का सामना करने में सक्षम हो पाएंगे।

धूम्रपान पर सरकार का निर्णय बचाएगा कईयों की जिंदगी

धूम्रपान से मरने वाले आंकड़ों पर नजर डालेंगे तो रोंगटे खड़े हो जाएंगे। संसार भर में सालाना 70 से 80 लाख के बीच लोगों की असमय मौत होती है, वहीं हिंदुस्तान में रोजाना करीब 2739 लोग तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। चिकित्सकों ने अपने रिसर्च में पाया है कि मौजूदा समय का धूम्रपान और ज्यादातर खतरनाक है। इनमें केमिकल का इस्तेमाल ज्यादा किया जाने लगा है जिससे हार्ट और पांव की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

डॉ. रमेश ठाकुर

केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद से ही सुधारों का दौर जारी है। करीब पंद्रह सौ पुराने और बेकार क़ानूनों को या तो खत्म कर दिया गया या फिर उनमें बदलाव किए जा रहे हैं। इस कड़ी में एक और बड़ा बदलाव होने वाला है। सिगरेट, तंबाकू, गुटखा-खैनी आदि के बढ़ते प्रचलन को थामने के लिए सरकार अनिवार्य कानूनी उम्र सीमा को और आगे बढ़ा रही है। धूम्रपान के दुष्परिणाम आज हम सबके लिए बड़ी चुनौती से कम नहीं है। कोई ऐसा घर नहीं है जिसमें धूम्रपान सेवन करने वाले न हों। ये बला बच्चों में ज्यादा पनप रही है। कलाकारों देखकर बच्चे सिगरेट पीना सीख रहे हैं। जबकि, धूम्रपान न करने की वैधानिक चेतावनी आदि भी दिखाई जाती है। बावजूद इसके कोई खास असर नहीं पड़ता। असर बिना सरकारी सख्ती के नहीं पड़ सकता। फिलहाल उस दिशा में सरकार ने कदम बढ़ाए हैं। देखते हैं कितना असर पड़ता है।

धूम्रपान के स्वास्थ्य निहित खतरों को भांपकर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा उठाया गया कदम बेशक सरकार की कमाई में डाका डालेगा। बावजूद इसके सरकार ने इसकी परवाह किए बिना आमजन का ख्याल रखा। सर्वविदित है कि शराब और धूम्रपान से सरकार को बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त होता है। लेकिन ऐसी कमाई का क्या मतलब, जिसमें लोगों की जिंदगी दांव पर लगती हो। कई देशों ने तंबाकू पदार्थों पर उच्च कर लगाया हुआ है, उनके मुकाबले भारत काफी

पिछड़ा है। भारत में खुलेआम धूम्रपान की वस्तुएँ बेची और खरीदी जाती हैं। जबकि, कई मुल्कों में ऐसी आजादी नहीं है। अपने यहां देखिए, रेलवे स्टेशनों व सार्वजनिक स्थानों पर हाथ में लटकाकर लोग सिगरेट-गुटखे बेचते हैं, उनपर कोई बंदिश नहीं। भारत में भी प्रतिबंध लगना चाहिए।

धूम्रपान संशोधन कानून के बाद रेलवे ने भी अपने एक्ट-1989 की धारा 167 में संशोधन करने का मन बनाया है। अभी ट्रेन, रेल स्टेशन या प्लेटफॉर्म पर बीड़ी-सिगरेट पीने वालों को जेल की सजा का प्रावधान है। लेकिन शायद ही कभी किसी सुट्टामार को जेल भेजा गया हो। धूम्रपान मौत का दूसरा रास्ता है। फिर भी लोग सेवन करते हैं। धूम्रपान से उत्पन्न बीमारियाँ उसके बाद अकाल मृत्यु के दंश से न सिर्फ हिंदुस्तान बल्कि समूचा संसार जकड़ा हुआ है। असमय मौत के सबसे बड़े कारण को धूम्रपान माना जा रहा है। इसकी चपेट में 12 वर्ष से लेकर 24-25 वर्ष के युवा सबसे ज्यादा हैं। सिगरेट पीने को बच्चे स्टेटस सिंबल मानते हैं। इसलिए जबतक कानूनी सख्तियां नहीं बढ़ेगी, ये आफत काबू में नहीं आएगी। भय नहीं है तभी बच्चे बेधड़क धूम्रपान करते हैं।

ये सच है कि धूम्रपान निषेधक के अभीतक जो कानून थे, सभी निष्क्रिय थे, हाथी के दाँत जैसे। उनका मौलिक रूप से ज्यादा प्रभाव नहीं था। सख्ती के बाद भी स्कूल, कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थाओं के आसपास दुकानदार सिगरेट-तंबाकू बेचते हैं। उन्हें पता है उनके ग्राहक इन्हीं संस्थाओं से सबसे ज्यादा हैं। शिकायतों पर प्रशासन दिखावे के लिए अभी-कभार अभियान छेड़ देता है, लेकिन कुछ समय के बाद फिर वैसा ही चलता रहता है। अच्छी बात है, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस विषय पर गंभीरता दिखाई और नया कानून बनाने के लिए सरकार से सिफारिश की। सरकार ने भी बिना देर किए, हामी भर दी। उसके बाद रास्ता पूरी तरह साफ हो गया।

अभीतक धूम्रपान करने की उम्र 18 वर्ष थी जिसे 21 वर्ष किया गया है। निश्चित रूप इसे बेहतरीन और सराहनीय फैसला कहा जाएगा। मौजूदा समय में नौनिहालों में भी जिस तेजी से धूम्रपान करने की ललक बढ़ी है, उस लिहाज से यह निर्णय नजीर साबित होगा। इससे कइयों की जिंदगियां असमय मौत में समाने से बचेंगी। फिलहाल संशोधन के लिए ड्राफ्ट तैयार हो चुका है। नए कानून के तहत कोई भी व्यक्ति सिगरेट या किसी अन्य तंबाकू उत्पाद की बिक्री या बिकने की अनुमति 21 साल से कम उम्र के किसी व्यक्ति को बेचने की पेशकश नहीं कर सकेगा। नए कानून में सेक्शन-7 में संशोधन हुआ है जिसमें सजा और जुर्माने का प्रावधान शामिल है। शिक्षण संस्थाओं के आसपास धूम्रपान सामग्री बेचने वाले पर पांच लाख का जुर्माना या पांच की साल सजा का प्रावधान होगा। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान के सेवन का जुर्माना दो हजार किया गया है। बिना देर किए सुधार किए गए इस कानून को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, क्योंकि इसमें न विपक्ष टांग अड़ाएगा और न कोई विरोध करेगा। चारों तरफ से रास्ता साफ, किसी तरह की कोई चुनौती नहीं। बस, ईमानदारी से इस कानून को अमल में लाया जाए। कानून लागू करने के साथ-साथ सरकार धूम्रपान विरोधी अभियान भी चलाए, धूम्रपान के दीर्घकालीन खतरों से लोगों को अवगत कराए। सिगरेट की पैकटों पर चेतावनी लिख देने भर से काम नहीं चलेगा। जनजागरण अभियान भी चलाना होगा।

विदेशियों को भाने लगा मां वैष्णो देवी तीर्थस्थल

योगेश कुमार सोनी

आस्था व स्वच्छता का प्रतीक बन रहा मां वैष्णो देवी तीर्थस्थल पर देश के अलावा विदेशी लोग भी जाने लगे हैं। हमारे लिए तो यह आस्था का स्थल है ही लेकिन वहां विदेशी लोग भी रुचि लेने लगे हैं। बाहरी लोग इसे पर्यटक स्थल भी समझकर आते हैं। बीते रविवार वहां एक विदेशी समूह पहुंचा जिन्होंने दर्शन करने के बाद वहां की साफ-सफाई व व्यवस्था की प्रशंसा की। विदेशी नागरिकों के इस समूह का कहना है कि भारत के कई दूसरे तीर्थस्थलों पर भी गए हैं लेकिन जितनी साफ-सफाई व स्वच्छता यहां दिखाई देती है, उतनी कहीं और देखने को नहीं मिली। वैसे तो पूरे वर्ष वहां श्रद्धालुओं का जाना लगा रहता है लेकिन इन दिनों ज्यादा लोग जाते हैं चूंकि इस समय वहां भारी बर्फ पड़ती है।

ज्ञात हो कि बीते वर्ष राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सफाई को लेकर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को देश के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान के लिए पुरस्कार दिया था। पहाड़ों के बीच समाई मां वैष्णो देवी की यात्रा पहले बहुत कठिन मानी जाती थी लेकिन अब कई सुविधाओं के साथ स्वच्छता की ओर खास ध्यान दिया जाने लगा, जिससे वह देश का सबसे स्वच्छ तीर्थस्थल बन गया। इसका सारा श्रेय श्राइन बोर्ड को जाता है। पूरे यात्रा मार्ग और बोर्ड के भवनों में स्वच्छता और वर्षा जल पुनर्प्रयोग के अलावा कई अन्य तरीकों से वैष्णो देवी तीर्थ ने स्वर्ण मंदिर के अलावा कई दूसरे तीर्थस्थलों को पछाड़ कर प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

मां वैष्णो के दरबार में प्रतिवर्ष देश-विदेश से करीब सवा करोड़ श्रद्धालु दर्शन करने जाते हैं। श्राइन बोर्ड के करीब 1250 सफाई कर्मचारी दिन-रात लगे रहते हैं। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह कूड़ेदान की सुविधा को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही हर छोटी बड़ी घटनाएं जिससे गंदगी या कूड़ा हो उसे गंभीरता से लेकर प्रतिबंधित किया जा रहा है।

आंकड़ों के अनुसार प्रतिदिन करीब पैंतीस हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस तीर्थस्थल को स्वच्छ बनाने में कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को अपनाया गया है। जैसा कि यहां भवन तक पहुंचने में पैदल के अलावा घुड़सवारी के द्वारा भी जाया जाता है जिससे जगह-जगह घोड़े की लीद से गंदगी व बदबू से लोगों को भारी परेशानी होती थी लेकिन पिछले कुछ समय से रास्ते को साफ करने के लिए 24 घंटे सफाईकर्मी खड़े रहते हैं। साथ ही लीद को इकठ्ठा कर उसका खाद बनाकर खेतीबाड़ी व पौधों के लिए प्रयोग किया जाने लगा। जलरहित मूत्रालय बनाकर कई हजार लीटर पानी को व्यर्थ होने से बचाया जा रहा है। करीब 45 ऋश वेंडिंग मशीन लगाते हुए प्लास्टिक पूरी तरह के प्रतिबंधित की हुई है जिस वजह से यह सब हो पाया है। पूरे देश में आप चाहे किसी भी तीर्थस्थल पर जाएं, वहां गंदगी तो रहती है साथ में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलती। शौचालयों की बात करें तो कहीं है तो कई जगह नहीं है। महिला शौचालय की बात करें तो कहीं नहीं दिखता, जिसके चलते भारी परेशानी होती थी।

श्राइन बोर्ड से अन्य सफाई बोर्ड व संस्थाओं को प्रेरित होकर अपने आपको सुधारना चाहिए जिससे तीर्थस्थल पर आनेवालों को परेशानी न हो। इसके अलावा वैष्णो देवी स्थल की तरह भक्तों की लाइन को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाना चाहिए व सभी तरह के सिस्टम अपटेड करने चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि बड़े तीर्थस्थलों पर घटों लाइन लगी होती है यदि किसी को बीच में शौचालय जाना पड़ जाए तो समझो उसकी आफत आ जाती है क्योंकि वह लाइन से हट गया तो दोबारा लगने का कोई विकल्प नहीं होता था। यदि किसी तरीके से चला भी जाए तो उसको परिसर में आसपास शौचालय नहीं मिलता। खासतौर पर महिलाओं के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन जाती है। कई जगह तो इतनी गंदगी होती है कि वहां खड़ा होना मुश्किल हो जाता है। जिस तरह वैष्णो देवी तीर्थस्थल पर व्यवस्था की गई है, यदि ऐसा ही अन्य स्थलों पर हो जाए तो बेहतर होगा। अभी भी तमाम ऐसे तीर्थस्थल हैं जहां भीड़ अनियंत्रित हो जाती है और कई श्रद्धालुओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ती है। ऐसे हादसों की लंबी फेहरिस्त है। इसलिए राज्य सरकार व केंद्र सरकार के साथ मंदिर प्रबंधन को इसपर मंथन करने की जरूरत है।

बहराहल, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को देश के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान के लिए पुरस्कार दिया गया था जिसको श्राइन बोर्ड ने अबतक बरकरार रखा है। पहले यह खबर हमारे यहां तक सीमित थी लेकिन दूसरे देशों में भी इसकी चर्चा पहुंच रही है। देश-विदेश से तारीफ बटोर इस स्थल की वजह से देश के सम्मान में चार चांद लग गए। अब कोशिश यह होनी चाहिए कि ऐसी खबर हर तीर्थस्थल से आए जिससे हर श्रद्धालुओं की यात्रा सरल व सुगम बने।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

छत ढही और इज्जत भी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

गाजियाबाद के मुरादनगर श्मशान घाट में छत गिरने से 25 लोगों से ज्यादा की मौत हो गई और लगभग सौ लोग बुरी तरह से घायल हो गए। यह छत कोई 100-150 साल पुरानी नहीं थी। यह अंग्रेजों की बनाई हुई नहीं थी। इसे बने हुए अभी सिर्फ दो महीने हुए थे। यह नई छत थी, कोई पुराना पुल नहीं, जिस पर बहुत भारी टैंक चले हों और जिनके कारण वह बैठ गई हो। इतने लोगों का मरना, एक साथ मरना और श्मशान घाट में मरना मेरी याद में यह ऐसी पहली दुर्घटना है।

सारी दुनिया में शवों को श्मशान या कब्रिस्तान ले जाया जाता है लेकिन मुरादनगर के श्मशान से ये शव घर लाए गए। सारी दुर्घटना कितनी रोंगटे खड़े करनेवाली थी, इसका अंदाज हमारे टीवी चैनलों और अखबारों से लगाया जा सकता है। जिस व्यक्ति की अंत्येष्टि के लिए लोग श्मशान में जुटे थे, उसका पुत्र भी दब गया। उसके कई रिश्तेदार और मित्र, जो उसके अंतिम संस्कार के लिए वहां गए थे, उन्हें क्या पता था कि उनके भी अंतिम संस्कार की तैयारी हो गई है। जो लोग दिवंगत नहीं हुए, उनके सिर फूट गए, हाथ-पांव टूट गए और यों कहें तो ठीक रहेगा कि वे अब जीते जी भी मरते ही रहेंगे। मृतकों को उत्तर प्रदेश की सरकार ने दो-दो लाख रु. की राशि दी है। किसी परिवार का कमाऊ मुखिया चला जाए तो क्या उसका गुजारा एक हजार रु. महीने में हो जाएगा? दो लाख रु. का ब्याज उस परिवार को कितना मिलेगा? सरकार को चाहिए कि हर परिवार को कम से कम एक-एक करोड़ रु. दे।

श्मशान-घाट की वह छत मुरादनगर की नगर निगम ने बनवाई थी। सरकारी पैसे से बनी 55 लाख रु. की यह छत दो माह में ही ढह गई। इस छत के साथ-साथ हमारे नेताओं और अफसरों की इज्जत भी क्या पैंदे में नहीं बैठ गई? छत बनानेवाले ठेकेदार, इंजीनियर तथा जिम्मेदार नेता को कम से कम दस-दस साल की सजा हो, उनकी निजी संपत्तियां जब्त की जाएं, उनसे इस्तीफे लिए जाएं, उनकी भविष्य निधि और पेंशन रोक ली जाए।

(लेखक सुप्रसिद्ध पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

इस वर्ष संकल्प लें ऐसे कि जीवन संवर जाए

योगेश कुमार गोयल

नया साल आत्मसमीक्षा का अवसर होता है। प्रतिवर्ष हम नए वर्ष पर कुछ नए संकल्प लेते हैं, कुछ बुराईयों का त्याग करने का प्रण करते हैं, कुछ नई योजनाएं बनाते हैं और जब नया साल दस्तक देता है तो इन सभी बातों को स्मरण करना नहीं भूलते। चंद दिनों तक हमारी कोशिशें भी जारी रहती हैं कि हम इन सब बातों पर अमल करते हुए जीवन में बदलाव ला सकें पर कुछ ही दिनों में हम फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं अर्थात् हमारे सारे संकल्प, सारी योजनाएं धरी की धरी रह जाती हैं।

दरअसल हमारी सबसे बड़ी कमी यही होती है कि हम एक ही बार में अपने अंदर सारा बदलाव लाने की चेष्टा करते हैं जबकि जरूरत होती है सारी बातों को धीरे-धीरे जीवन में उतारने और अमल में लाने की। उदाहरण के रूप में यदि हम धूम्रपान के आदी हैं तो एक ही बार में धूम्रपान का त्याग करने की कोशिश करने के बजाय धूम्रपान की मात्रा में धीरे-धीरे कमी करते जाएं और इस सीमा तक पहुंच जाएं तो धूम्रपान का त्याग करना हमारे लिए कोई मुश्किल काम न रह जाए। इसी प्रकार अगर हम रोज प्रातः 7 बजे के करीब सोकर उठते हैं और संकल्प लेते हैं प्रातः 4 बजे उठने का तो हम दो-चार दिन भले ही मन मारकर 4 बजे उठ जाएं पर उसके बाद हमारा यह नियम टूट ही जाएगा। इसलिए एकदम से 4 बजे उठना शुरू करने के बजाय यदि हम उठने के समय में धीरे-धीरे आधे-आधे घंटे की कमी करते जाएं तो फिर देखिये, कुछ ही दिनों में ऐसा चमत्कार होगा कि हमारी आंतरिक घड़ी हमें खुद ब खुद निर्धारित समय पर जगा देगी। जिस प्रकार कोई बुरी आदत छूटने में समय लगता है, उसी प्रकार नई आदतें विकसित होने में भी समय लगता है।

अपनी गलतियों को स्वीकारें

नए वर्ष की बेला में अपने अंदर की कमजोरियों, अपने गुणों-अवगुणों को पहचानें और इनकी समीक्षा करें। अपनी गलतियों, असफलताओं या कमजोरियों के लिए दूसरों पर दोषारोपण के बजाय एक-एक कर उन्हें सुधारने का प्रयत्न करें। अपनी गलती स्वीकारना सीखें। अपनी गलतियां स्वीकारने से आप आत्मविश्लेषण तो कर ही सकेंगे, इससे आपको कुछ न कुछ नया सीखने को मिलेगा और आपका व्यक्तित्व भी निखरेगा। हर व्यक्ति में कोई न कोई गुण अवश्य होता है, अतः दूसरों से भी कुछ अच्छी बातें सीखने का प्रयास करें।

जीवन में पारदर्शिता लाएं

सफलता प्राप्ति एवं जीवन में उन्नति के लिए जरूरी है कि आपके जीवन में पारदर्शिता स्पष्ट झलके। जो कुछ आप कहें, उसपर अमल भी करते दिखाई दें। अगर आप दूसरों को उपदेश देते रहें और स्वयं उनपर अमल न करें तो लोग आपको संदेह की नजर से ही देखेंगे और आपकी बातों का भी उनकी नजरों में कोई महत्व नहीं होगा। यदि आपमें दूसरों की निन्दा करने की आदत है तो उसे छोड़ने का प्रयास करें क्योंकि अपनी इस आदत के कारण भी आप दूसरों की नजरों में गिर सकते हैं। आप स्वयं को दूसरों से किसी भी मामले में कम न समझें।

अगर आपमें आत्मविश्वास है तो आप हर प्रकार की चुनौती का दृढ़ता से सामना कर सकते हैं और उसपर विजय पा सकते हैं। दूसरों के प्रति नकारात्मक सोच की प्रवृत्ति का भी त्याग करें। यदि आपके मन में हर समय दूसरों के बारे में नकारात्मक विचार आते रहेंगे या दूसरों के प्रति ईर्ष्या की भावना आपके मन में रहेगी तो आप हमेशा तनावग्रस्त रहेंगे और तनाव आपको विभिन्न प्रकार के रोगों का शिकार बनाकर आपकी उन्नति और सफलता के मार्ग में बाधक बनेगा। अगर आपस में कोई समस्या या गलतफहमी हो तो मिल-बैठकर उसे सुलझाने का प्रयास करें।

अगर आपमें आत्मविश्वास है तो आप हर प्रकार की चुनौती का दृढ़ता से सामना कर सकते हैं और उसपर विजय पा सकते हैं। दूसरों के प्रति नकारात्मक सोच की प्रवृत्ति का भी त्याग करें। यदि आपके मन में हर समय दूसरों के बारे में नकारात्मक विचार आते रहेंगे या दूसरों के प्रति ईर्ष्या की भावना आपके मन में रहेगी तो आप हमेशा तनावग्रस्त रहेंगे और तनाव आपको विभिन्न प्रकार के रोगों का शिकार बनाकर आपकी उन्नति और सफलता के मार्ग में बाधक बनेगा। अगर आपस में कोई समस्या या गलतफहमी हो तो मिल-बैठकर उसे सुलझाने का प्रयास करें।

संबंधों को बेहतर बनाएं

आज के भौतिकवादी युग में आपसी संबंध औपचारिकता मात्र रह गए हैं। आप दूसरों से अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए अपनी ओर से हरसंभव पहल करें और विनम्रता तथा वाणी में मिठास को स्वभाव का अहम हिस्सा बनाएं। फिर देखें, आपसी रिश्तों में प्रगाढ़ता आने से आपके मन को कैसा सुकून मिलता है, साथ ही आपके स्वभाव में विनम्रता व वाणी में माधुर्यता आने से आपका व्यक्तित्व भी निखर उठेगा।

नए दोस्त बनाएं

अगर आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है तो ऐसे मौके का हाथ से न जाने दें लेकिन दोस्ती को स्वार्थपूर्ति का जरिया न बनाएं बल्कि जरूरत पड़ने पर सही मायनों में एक-दूसरे के काम आएं। नई दोस्ती आपको भावनात्मक रूप से सुदृढ़ करने के साथ-साथ आपके जीवन में नयापन भी लाएगी। इससे आपका तनाव दूर करने में भी काफी हद तक मदद मिलेगी। दोस्ती में प्रगाढ़ता लाने के लिए छुट्टी के दिन इकट्ठे घूमें-फिरें, आपस में हंसी-मजाक करें, पुरानी यादों को ताजा करें।

समय का महत्व समझें

जीवन में सफलता और तरक्की के लिए अनुशासन का बहुत बड़ा महत्व है। आप कितने ही प्रतिभाशाली, परिश्रमी और शक्ति सम्पन्न क्यों न हों, अगर आपके जीवन में अनुशासन नहीं है तो आप सफलता प्राप्त नहीं कर सकेंगे। इसी प्रकार समय का सुनियोजन भी बहुत जरूरी है। आलस्य सफलता के मार्ग में बहुत बड़ा अवरोधक है। अतः आलसी प्रवृत्ति को त्याग दें। स्वावलंबी बनें और अपने काम को दूसरों पर थोपने की चेष्टा न करें। एक आलसी व्यक्ति हर काम को कल पर टालता रहेगा और हर कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर रहेगा। इसलिए किसी भी कार्य को कल पर टालने के बजाय उसे सही समय पर निपटाने की आदत विकसित करें। इससे आप पर काम का बोझ तो कम होगा ही, आपका तनाव भी कम होगा। समय प्रबंधन को अपनाकर आप बड़े से बड़े कार्य को आसानी से हल करने में सक्षम हो सकते हैं।

दिनभर के कार्यों का विश्लेषण करें

प्रतिदिन रात को सोने से पूर्व अपने दिनभर के कार्यों का विश्लेषण करते हुए यह जानें कि आपने आज कितना समय व्यर्थ गंवाया है। अगर उस समय में आप कुछ ऐसे रचनात्मक कार्य करें, जिससे दूसरों का भी कुछ भला हो सके तो सोचिए, इससे आपके मन को कितना सुकून मिलेगा।

लक्ष्य निर्धारित करें

स्वमूल्यांकन करते हुए यह निर्धारित करें कि आपके जीवन का लक्ष्य क्या है? लक्ष्यहीन मनुष्य का जीवन तो पशु जीवन के ही समान है। कहीं हम भी पशुओं की भांति दिनभर अपनी जीभ के स्वाद और रात को मस्ती में ही तो अपने जीवन के अनमोल पलों को नहीं गंवा रहे हैं। जीवन के सही लक्ष्य के निर्धारण से ही आपका समग्र विकास संभव है। लक्ष्य की श्रेष्ठता ही हमें बुलंदी पर पहुंचा सकती है। इसलिए बीमारी में या दूसरों के सुख-दुख में उनका सहयोग करें और अपने मस्तिष्क से संकुचित विचारों को बाहर करके सकारात्मक सोच विकसित करें।

नए शौक विकसित करें

नए शौक व नई रूचियां विकसित कर सकें तो इससे आपके जीवन में नए रंग भरेंगे तथा आपके खाली समय का सदुपयोग भी होगा और इससे आपका तनाव दूर करने में भी मदद मिलेगी। अपने शौक, अपनी रूचियों को पूरा करने के लिए अपनी व्यस्त दिनचर्या में से भी आप कुछ समय निकाल सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कृषि-कानूनः असली मुद्दा

आशा के विपरीत सरकार और किसानों का 7 वां संवाद बेनतीजा रहा। छठे संवाद में जो परस्पर सौहार्द दिखाई पड़ा था, वह इस बार नदारद था। किसानों और मंत्रियों ने इस बार साथ-साथ भोजन भी नहीं किया। अब 8 जनवरी को फिर दोनों पक्षों की बैठक होगी लेकिन उसमें से भी कुछ ठोस समाधान निकलने की संभावना कम ही दिखाई पड़ रही है, क्योंकि दोनों पक्ष अपनी-अपनी टेक पर अड़े हुए हैं। किसान कहते हैं कि तीनों कानून वापस लो जबकि सरकार कहती है कि उसमें जो भी सुधार करना हो, बताते जाइए, हम संशोधन करने की कोशिश करेंगे।

वैसे तो किसानों के लिए दरवाजा खुल गया है। वे चाहें तो इतने संशोधन और अभिवर्द्धन बता दें कि उनके हो जाने के बाद ये तीनों कानून पहचाने ही न जाएं। उनका होना या न होना या रहना या न रहना पता ही न चले। लेकिन इस प्रक्रिया में पेंच है। वह यह कि यह द्विपक्षीय संवाद, संवाद न रहकर द्रौपदी का चीर बन सकता है। पहले ही इस 40 दिन पुराने धरने में 55 किसान स्वर्गवासी हो गए हैं। कुछ आत्महत्याएं भी हुई हैं। दिल्ली की इस भयंकर ठंड और बेमौसम बरसात में ये तो पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसानों का दमगुर्दा है कि वे टिके हुए हैं। उनकी जगह यदि किसी राजनीतिक दल के लोग हुए होते तो वे अबतक भाग खड़े होते।

सरकार का दावा है कि ये तीनों कानून उसने किसानों के भले के लिए बनाए हैं। यदि वे सहमत नहीं है तो सरकार उनके गले में इन्हें जबर्दस्ती क्यों ठूंस रही है? जो राज्य इसे मानना चाहें, उन्हें और जो नहीं मानना चाहें, उन्हें भी वह छूट क्यों नहीं दे देती? यों भी इन तीनों कानूनों के बिना भी देश के 94 प्रतिशत किसान मुक्त-खेती और मुक्त-बिक्री के लिए स्वतंत्र हैं। जहां तक 6 प्रतिशत संपन्न किसान, जो सरकार को अपना गेहूं और धान बेचते हैं, वे भी फल और सब्जियां भी उगाना शुरू कर सकते हैं, यदि सरकार उन उत्पादों के लिए भी केरल की तरह न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती रहे। असली मुद्दा यही है। यह मुद्दा आसानी से हल हो सकता है।

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कन्फर्म किया है कि वह अब जल्द ही बड़े पर्दे पर दस्तक देंगे ।

धाकड़ से फ्रेंच सिनेमैटोग्राफर तेत्सुओ नगाता की फिल्मी जगत में एंट्री

कंगना रनौत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धाकड़ की तैयारियों में लगी हुई है। इस दौरान कंगना ने फिल्म से जुड़ी कई तस्वीरें एवं वीडियोज भी फैंस के साथ साझा की है। वहीं अब कंगना की इस फिल्म में मेकर्स ने अवॉर्ड विनर मशहूर फ्रेंच डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी तेत्सुओ नगाता को टीम में शामिल किया है। इसकी जानकारी खुद कंगना ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर दी है। कंगना ने आगामी फिल्म धाकड़ की टीम के साथ तीन तस्वीरें शेयर कीं हैं । इन तस्वीरों में कंगना तेत्सुओ नगाता और टीम के अन्य सदस्यों के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए कंगना ने लिखा- धाकड़ के लिए हमारे पास लीजेंड फ्रेंच डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी तेत्सुओ नगाता हैं। उनका एकेडमी अवॉर्ड विनिंग काम ला विए इन रोज पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणा है। उनके साथ इंटरनेशनल एक्शन क्रू भी है। राजी घई को उम्मीद है कि वर्ल्ड क्लास स्पाई थ्रिलर बना देंगे।

फिल्म में नगाता की एंट्री होने से कंगना और टीम के अन्य सदस्य काफी उत्साहित हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म धाकड़ में कंगना एक्शन अवतार में नजर आयेंगी। फिल्म धाकड़ इसी साल दिवाली पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन देश में लगे लॉकडाउन की वजह से फिल्म की शूटिंग अधूरी रह गई। फिल्म का

निर्देशन रजनीश घई कर रहे हैं और निर्माता सोहेल मकलई हैं। इस फिल्म के अलावा कंगना फिल्म 'थलाईवी' और 'तेजस' में भी नजर आएगी।

डिजिटल डेब्यू की तैयारी में कॉमेडियन कपिल

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा जल्द ही डिजिटल डेब्यू करने की तैयारी में हैं। हाल ही में उन्होंने नेटफ्लिक्स के साथ एक प्रोजेक्ट साइन किया हैं। इस प्रोजेक्ट के अनुसार कॉमेडियन दर्शकों को अनोखे अंदाज में हंसाते हुए नजर आएंगे। इसकी घोषणा खुद कपिल शर्मा ने अनोखे स्टाइल में की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ एक वीडियो शेयर किया हैं।

इस वीडियो में कपिल अंग्रेजी के एक शब्द को बोलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह बोल नहीं पातें। उनके पास खड़ा कैमरामैन उन्हें कहता है, आप हिंदी में भी बोल सकते हैं। इसके बाद कपिल शर्मा इंग्लिश में ही बोलते हैं। वह कहते हैं-मैं आ रहा हूं आपके टीवी, लैपटॉप और मोबाइल पर यानी नेटफ्लिक्स पर। यह एक खास खबर है। हालांकि कपिल के इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है ,लेकिन सोशल मीडिया पर कपिल के इस मजेदार वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा हैं।

ऋतिक रौशन ने की काम पर वापसी

अपने अभिनय और डांसिंग स्किल्स के कारण चर्चा में रहने वाले ऋतिक रौशन ने हाल ही में काम पर वापसी कर ली है। इसकी जानकारी खुद ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर कर दी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए ऋतिक ने लिखा-सेट पर वापसी।

तस्वीर में ऋतिक ने ब्लैक टीशर्ट और एक ग्रे कलर मिक्स जैकेट पहना है। सोशल मीडिया पर ऋतिक की इस तस्वीर को फैंस पसंद कर रहे हैं और उन्हें शुभकामनायें दे रहे हैं। ऋतिक की इस पोस्ट के बाद फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। हालांकि, ऋतिक ने अपनी इस पोस्ट के साथ यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट कर काम कर रहे हैं। ऋतिक रौशन आखिरी बार साल 2019 में सिद्धार्थ आनंद निर्देशित फिल्म वॉर में टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर के साथ लीड रोल में नजर आये थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई थी।

फिल्म किसान के लीड रोल में नजर आएंगे सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद अपने नेक कार्यों की वजह से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। कोरोना संकट के दौरान देश में लगे लॉकडाउन से लेकर अब तक सोनू किसी ने किसी की मदद में लगे हुए हैं। इन सब के बीच सोमवार को सोनू सूद की नई फिल्म का ऐलान हो गया है। सोनू की इस नई फिल्म का नाम होगा किसान। इस फिल्म में सोनू लीड रोल में होंगे। इसकी जानकारी फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर दी। तरण ने लिखा सोनू सूद फिल्म किसान की स्टारकास्ट को लीड करेंगे। इस फिल्म को ई निवास और राज शांडिल्य निर्देशित कर रहे हैं जिन्होंने ड्रीम गर्ल के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत की थी। वो इस फिल्म को प्रोड्यूस भी करेंगे। जल्दी ही फिल्म की बाकी स्टारकास्ट के बारे में ऐलान कर दिया जाएगा।'

सोशल मीडिया पर सोनू की नई फिल्म का ऐलान होने के बाद फैंस सोनू की इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं और उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनू इस फिल्म के अलावा चंद्रप्रकाश द्विवेदी की फिल्म पृथ्वीराज में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म आचार्या में भी नजर आएंगे। सोनू सूद ने हाल ही में अपनी किताब आई एम नो मसीहा हाल ही में लांच की है, जिसे दर्शकों के बीच काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा हैं।

कंगना रनौत ने कांग्रेस नेता शशि थरूर पर कंसा तंज

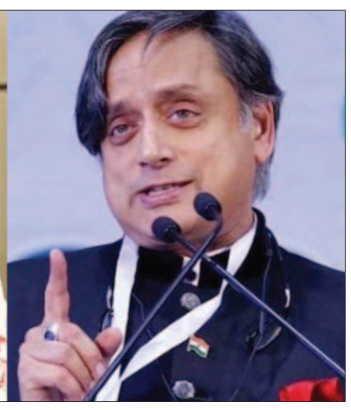

फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर अपने बेबाक बयानों के कारण चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली कंगना ने अब कांग्रेस नेता शशि थरूर पर तंज कंसा है। कंगना रनौत ने शशि थरूर के उस बयान पर नाराजगी जताई है, जिसमें उन्होंने घरेलू महिलाओं को मासिक भत्ता दिए जाने का आइडिया दिया है। दरअसल हाल ही में शशि थरूर ने ट्वीट किया था कि मैं कमल हासन के उस आइडिया का स्वागत करता हूं जिसमें उन्होंने कहा है कि घर के काम को सैलरीड प्रफेशन का दर्जा दिया जाना चाहिए और राज्य सरकारों को इसके लिए घर का काम करने वाली महिलाओं को मासिक भत्ता दिया जाना चाहिए। इसके जरिए समाज में घर में काम करने वाली महिलाओं को पहचान और उनकी सेवाओं का मुद्रीकरण होगा, जिससे उनकी शक्ति, स्वायत्ता में वृद्धि होगी और यूनिवर्सल बेसिक इनकम के नजदीक पहुंचने में मदद मिलेगी। शशि थरूर के इस ट्वीट के बाद कंगना ने उन पर तंज कंसते हुए उनके ट्वीट को रीट्वीट कर लिखा-हमारी लैंगिकता की कीमत मत लगाइए। हमें अपनों की देखभाल के लिए पैसा मत दीजिए। हमें अपनी छोटी सी दुनिया, अपने घर की मल्लिका होने के लिए सैलरी नहीं चाहिए। हर चीज में बिजनेस देखना बंद कीजिए। खुद को अपनी महिला के प्रति समर्पित कीजिए, क्योंकि उसे आपके प्यार और सम्मान की जरूरत है, सैलरी की नहीं।

मैडम चीफ मिनिस्टर से रिचा चड्ढा का फर्स्ट लुकआउट, 22 को रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड में अपने शानदार अभिनय के साथ-साथ अपने बिंदास व बेबाक अंदाज के लिए जाने जानी वाली अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने फैंस को नए साल की शुरुआत में एक खास तोहफा दिया है। दरअसल, ऋचा चड्ढा की आगामी फिल्म मैडम चीफ मिनिस्टर के मेकर्स ने सोमवार को फिल्म से ऋचा का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसे ऋचा ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा किया है। फिल्म से इस फर्स्ट लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए ऋचा ने लिखा-'मुझे गर्व है कि मैं यह फिल्म आपके सामने पेश करने जा रही हूं। मेरी नई फिल्म मैडम चीफ मिनिस्टर, जिस पर मुझे पूरा भरोसा है। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा है, जिसमें हमने छुआछूत के मुद्दे को उठाया है। यह फिल्म 22 जनवरी को रिलीज होगी।'

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में ऋचा टीशर्ट पहने हुए है। पोस्टर में वह छोटे - छोटे बालों में है और हाथों में झाड़ू लिए नजर आ रही हैं। पोस्टर में ऋचा चड्ढा के पीछे दिग्गज अभिनेता सौरभ शुक्ला और मानव कौल भी नजर आ रहे हैं। पोस्टर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

फिल्म में ऋचा मुख्य भूमिका में है। कहानी एक अछूत महिला पर आधारित

होगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि भारतीय समाज में एक खास जाति के लोगों के साथ सिर्फ उनके काम के आधार पर किस तरह से भेदभाव किया जाता है। फिल्म में ऋचा चड्ढा के अलावा मानव कौल और सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित एवं भूषण कुमार निर्मित यह फिल्म इसी साल 22 जनवरी को रिलीज होगी। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इन्तजार है।

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी बेगम की पहली झलक

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने शादी कर ली है। इसकी जानकारी खुद फिल्ममेकर ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कर दी थी,जिसमें दुल्हा-दुल्हन एक -दूसरे का हाथ पकड़े हुए दिखाई दे रहे थे। हालाँकि, इस तस्वीर में किसी का चेहरा नजर नहीं आ रहा था। वहीं अब मंगलवार को अली अब्बास जफर ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीर शेयर कर फैंस को अपनी बेगम की पहली झलक दिखलाई है। पहली तस्वीर में अली अब्बास जफर अपनी पत्नी अलीसिया जफर संग रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अली अब्बास जफर ने लिखा-1400 साल पहले इमाम अली ने फातिमा अली जाहरा ने कहा था। मेरी सारी परेशानियां और दुख खत्म हो जाते हैं जैसे ही मैं तुम्हारा चेहरा देखता हूं। मैं वैसा ही महसूस करता हूं अलीसिया जफर। जिंदगी भर के लिए मेरी।'

इसके साथ ही अली अब्बास ने एक और तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसके कैप्शन में अली अपनी पत्नी का स्वागत

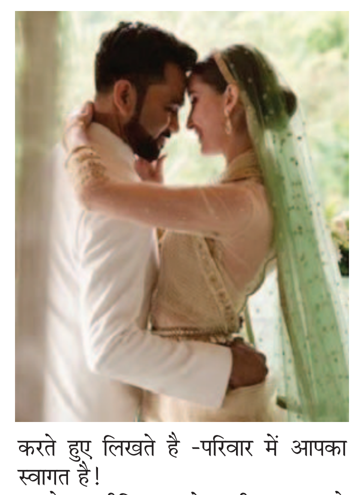

करते हुए लिखते है -परिवार में आपका स्वागत है!

सोशल मीडिया पर ये तस्वीर वायरल हो रही है। इसके साथ फैंस उन्हें शादी की बधाई भी दे रहे हैं। अली अब्बास जफर फिल्म इंडस्ट्री में जाना माना नाम है। सलमान खान के साथ वह दो सुपरहिट फिल्में सुल्तान और टाइगर जिंदा है दे चुके हैं।

सुष्मिता सेन ने बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के जन्मदिन पर शेयर की रोमांटिक पोस्ट

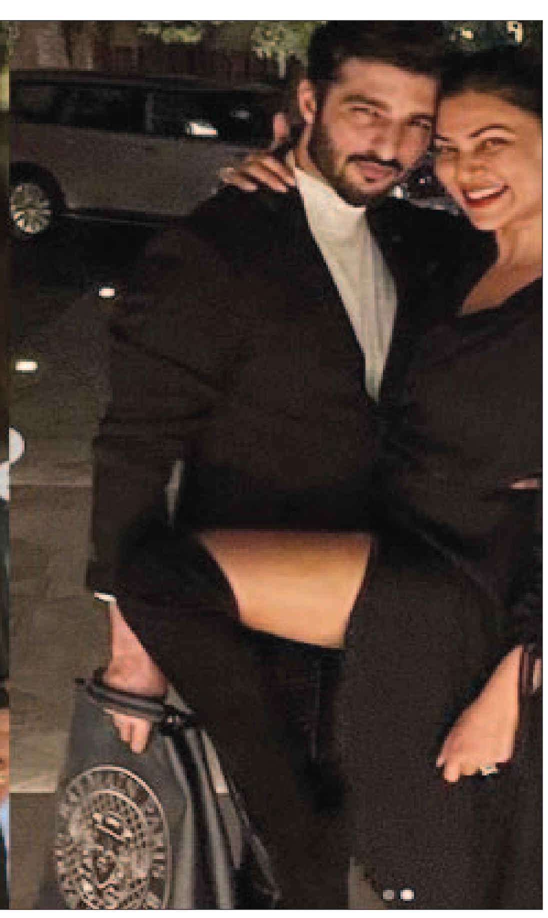

अभिनेत्री सुष्मिता सेन के बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल का आज जन्मदिन है। इस मौके पर सुष्मिता सेन ने उन्हें खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीर शेयर की हैं, जिनमे वह अपने लांग टाइम बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ रोमांटिक पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सुष्मिता ने लिखा-हैप्पी बर्थडे बाबुश...रूह से रूह तक। भगवान तुम्हें वो सब दें जो तुम्हारा दिल चाहे। इसके साथ ही सुष्मिता ने रोहमन के

रोहमन पेशे से मॉडल हैं और सुष्मिता से उम्र में 15 साल छोटे

लिए अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों की भी कामना करते हुए उन्हें अलीशा और रिनी दोनों बेटियों की तरफ से भी हग दिया है।

सोशल मीडिया पर सुष्मिता का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। सुष्मिता के बॉयफ्रेंड रोहमन पेशे से मॉडल हैं और सुष्मिता से उम्र में 15 साल छोटे है। दोनों ने अब तक शादी नहीं की है। इन सब के बावजूद दोनों के बीच मजबूत अंडरस्टैंडिंग और बेशुमार प्यार है। सुष्मिता सेन रोहमन शॉल के साथ अपने रिश्ते को खुल कर स्वीकार करती हैं। दोनों काफी समय से एक दुसरे को डेट कर रहे हैं। सुष्मिता सेन ने दो बेटियां अलीशा और रिनी को सुष्मिता ने अडॉप्ट किया है और उन्हें अच्छी परवरिश दे रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुष्मिता ने लगभग पांच साल बाद हाल ही में वेब सीरीज आर्या से अभिनय की दुनिया में वापसी की है।

दीपिका पादुकोण बर्थडे स्पेशल

गोलियों की रासलीला रामलीला से शुरू हुई दीपिका-रणवीर की लव स्टोरी

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की पहली मुलाकात संजय लीला भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला रामलीला के सेट पर हुई। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच प्यार की शुरुआत हुई। यह अंदाजा लगाना उस समय हर किसी के लिए मुश्किल था कि शूटिंग के दौरान दोनों ऑनस्क्रीन रोमांस के साथ-साथ ऑफस्क्रीन भी एक -दूसरे के प्यार में पड़ जायेंगे। मीडिया में भी दोनों के प्यार की खबरें तेजी से चल रही थी। यह जोड़ी बॉलीवुड की एक ऐसी खूबसूरत जोड़ी बन गई, जिसे दर्शक ऑनस्क्रीन के साथ-साथ ऑफस्क्रीन भी पसंद करने लगे। हालांकि रणवीर पहली नजर में ही दीपिका पर अपना दिल हार बैठे थे। दीपिका और रणवीर का प्यार परवान चढ़ा फिल्म बाजीराव मस्तानी के सेट पर। जब दोनों को साल 2015 में फिर से संजय लीला भंसाली की फिल्म बाजीराव-मस्तानी में काम करने का मौका मिला। दोनों एक -दूसरे के प्यार में पड़ चुके थे और दोनों का रोमांस ऑनस्क्रीन के साथ साथ ऑफस्क्रीन भी चल रहा था। इसके बाद दोनों ने फिल्म फाइंडिंग फैनी और पद्मावत में साथ में अभिनय किया और लगभग 6 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 14 नवम्बर, 2018 में शादी कर ली। दोनों की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे मशहूर जोड़ियों में से एक है। दर्शक इस जोड़ी को काफी पसंद करते है और उन्होंने इस जोड़ी को दीपवीर नाम भी दिया है।

जीवन ताश के पत्तों के खेल की तरह है। आपके हाथ में जो है वह नियति है, जिस तरह से आप इसे खेलते हैं वह स्वतंत्र इच्छा है। - पंडित जवाहर लाल नेहरू

एक नजर

हसनगंज पुलिस ने 32 सटोरियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ। हसनगंज पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक घर मे छापा मार कर 32 सटोरियों को गिरफ्तार कर नकदी व अन्य सामान बरामद किया है। डीसीपी नार्थ रईस अख्तर ने बताया कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर इंस्पेक्टर हसनगंज अमरनाथ वर्मा ने पुलिस टीम के साथ मोहल्ला चरही, डालीगंज स्थित एक घर मे छापा मार कर सट्टा खेलते समय 32 लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 47,420 रुपए नगदी समेत 1441 रुपए के सिक्के, 5 बुकलेट और एक कैलक्यूलेटर बरामद किया। डीसीपी ने पुलिस टीम को प्रोत्साहन स्वरूप 20 हजार का इनाम देने की घोषणा की है।

स्वच्छता पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ। महाराजा अग्रसेन इंटर कालेज मोतीनगर लखनऊ में आज गंगा की अविरलता,स्वच्छता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने बढ चढकर प्रतिभाग किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य के. के. तिवारी, पूर्व प्रधानाचार्य हरी शंकर, हिन्दी प्रवक्ता प्रेम शंकर शास्त्री एवं अनन्त बहादुर सिंह भी उपस्थित रहे।

चौकी प्रभारी को शुभकामनाएं देकर किया गया विदा

लखनऊ। गैर जनपद तबादला हुए अमीनाबाद के नजीराबाद चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार को माला पहनाकर विदाई दी गई। प्रमोद कुमार का कानपुर जोन में ट्रांसफर किया गया है। विदाई समारोह के दौरान अमीनाबाद इंस्पेक्टर धर्मेंद्र सिंह यादव, एडिशनल इंस्पेक्टर अमित पांडेय, चौकी प्रभारी मौलवीगंज एसपी सिंह, एसआई सुधाकर पांडेय, एसआई विद्या शंकर सिंह व थाना अमीनाबाद के समस्त अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

ठगी का अनोखा तरीका... जालसाजों ने राजधानी के 17 बड़े अस्पतालों को बनाया निशाना

अस्पताल के फोन की कॉल फॉरवर्ड कर मरीजों को शिकार बना रहे जालसाज

विवेक पाण्डेय

लखनऊ। यदि आप भी किसी मशहूर डॉक्टर से इलाज कराने की सोच रहे हैं और हॉस्पिटल या उसके क्लिनिक के नम्बर पर कॉल कर अपॉइंटमेंट लेना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब साइबर जालसाजो ने ठगी का नया हथकंडा इजाद कर लिया है, जिसे देखकर या सुन कर साइबर क्राइम सेल की भी नींद उड़ी हुई है। क्योंकि अब तक साइबर क्राइम सेल के सामने कार्ड क्लोनिंग, ईमेल हैक, लिंक के जरिये फ्रॉड जैसे केस सामने आए थे, लेकिन इस बार साइबर क्राइम सेल के पास ऐसा केस सामने आया, जिससे होश उड़ गए। जालसाज इस बार शहर के मशहूर हॉस्पिटल को टारगेट कर वहां अप्वाइंटमेंट लेकर इलाज कराने वाले पेशेंट्स को शिकार बना रहे हैं। राजधानी के 17 मशहूर हॉस्पिटल उनके टारगेट पर हैं, जिसमें एक ही हॉस्पिटल के तीन मरीजों के अकाउंट से हजारों रुपये उड़ा लिये। अकाउंट से रुपये गायब होने की शिकायत लेकर पीड़ित जब थाने और साइबर सेल पहुंचे तो अनोखे फ्रॉड का खुलासा हुआ। फिलहाल साइबर क्राइम सेल ऐसे जालसाजों को दबोचने के लिए प्रयास कर रही है।

इस तरह से कॉल फारवर्ड कर करते हैं ठगी

साइबर क्राइम सेल के एक केस की जांच में खुलासा हुआ कि जालसाजों ने साइबर फ्रॉड का एक नए तरीका इजाद किया है, जिसमें प्राइवेट हॉस्पिटल्स को शिकार बनाया जा रहा है। साइबर जालसाज किसी भी प्राइवेट हॉस्पिटल को गूगल में सर्च कर उसके रिसेप्शन के लैंडलाइन या मोबाइल नंबर पर कॉल करके बोलते हैं कि मैं एयरटेल (जिस कंपनी का नंबर हो) से बोल रहा हूं आपका कनेक्शन बार्ड होने वाला है जारी रखने के लिए कोड 21*मोबाइल नंबर या *21*मोबाइल नंबर या **21*मोबाइल नंबर# आदि डायल करें। ऐसे करते ही कॉल फॉरवार्डिंग एक्टिव हो जाती है और जब अप्वाइंटमेंट या हॉस्पिटल संबंधी किसी भी जानकारी के लिए पेशेंट्स की कॉल आती है तो वह कॉल हॉस्पिटल में नहीं बल्कि साइबर जालसाज के पास पहुंच जाती है। जालसाज इस बात का फायदा उठाकर अप्वाइंटमेंट या जांच के नाम पर रुपये जमा करा लेते हैं। पैसा जमा करने के लिए जालसाज एक लिंक पेशेंट्स व तीमारदार के मोबाइल पर भेजते हैं। लिंक टच करते ही उनके अकाउंट से जालसाज कैश उड़ा लेते हैं।

अब तक तीन केस

कुछ दिनों पहले आलमबाग स्थित मेडिकल केयर सेंटर एंड हॉस्पिटल को भी निशाना बनाया गया है। हॉस्पिटल के रिसेप्शन पर एक साथ पहले एक कॉल आई। कॉलर ने बताया कि हॉस्पिटल का लैंडलाइन फोन (जिस नंबर पर अप्वाइंटमेंट लिया जाता) पर कॉल आई। कॉलर ने फोन बार्ड होने की बात कहकर कॉल फारवर्ड कोड डायल करा दिया। इसके बाद कॉल फारवर्ड हो गई और दो दिन में अप्वाइंटमेंट के लिए तीन पेशेंट की कॉल आई। जालसाजों ने उन्हें जाल में फंसा कर उनके अकाउंट से रुपये उड़ा लिये।

अप्वाइंटमेंट मिला न कैश

ठगी के शिकार हुए पेशेंट्स तय समय पर जब हॉस्पिटल पहुंचे तो उनका न तो अप्वाइंटमेंट था और न ही उनकी फीस जमा थी। इसे लेकर उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। अकाउंट चेक करने पर कैश गायब की जानकारी मिलते पेशेंट्स ने हॉस्पिटल के खिलाफ कृष्णा नगर थाने में शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृष्णा नगर पुलिस ने साइबर क्राइम सेल से मदद मांगी। इसके बाद यह खुलासा हुआ कि कॉल फारवर्ड के जरिए उनके साथ ठगी हुई है।

राजधानी के 17 हॉस्पिटल टारगेट पर

मामला साइबर क्राइम सेल के पास पहुंचा तो उन्होंने जांच शुरू की। जांच में कॉल फारवर्ड के जरिए ठगी के खेल का खुलासा हुआ। इसके बाद मेडिकल केयर सेंटर एंड हॉस्पिटल के फोन को कॉल फारवर्ड से हटा दिया गया, लेकिन उसके बाद जालसाज ने हॉस्पिटल के लैंडलाइन पर दोबारा कॉल की और फिर कॉल बार्ड का हवाला देकर कोड डायल करने के लिए कहा। रिसेप्शन में बैठी युवती को शक हुआ, जिसकी जानकारी उसने डॉक्टर को दी। डॉक्टर ने साइबर क्राइम सेल को इसकी सूचना दी। जब जालसाज के मोबाइल नंबर की जांच की गई तो सामने आया कि उसने शहर के 17 फेमस हॉस्पिटल और क्लीनिक सेंटर को अपने टारगेट में ले रखा है। उनके लैंडलाइन पर कॉल कर कॉल फारवर्ड कराने का प्रयास कर रहा है।

ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं, जालसाजों की गिरफ्तारी के लिए टीम काम कर रही है। –विवेक रंजन राय, एसीपी साइबर सेल

रंग लाई ग्रामीणों की मेहनत नगुवामऊ मार्ग पर बनेगा अंडर पास

लखनऊ। बीकेटी में बन रहे आउटर रिंग रोड पर नगुवामऊ धिनोहरी मार्ग पर एनएचएआई द्वारा अंडर पास नही बनाया गया था। इसके विरोध में ग्रामीण 2 जुलाई से अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे थे। मंगलवार को विधायक अविनाश त्रिवेदी ने ग्रामीणों को अंडर पास बनाए जाने का स्वीकृति पत्र सौंपा। इस मौके पर उनके साथ एनएचएआई के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अविनाश त्रिवेदी ने कहा कि वह हर समय क्षेत्रीय जनता के साथ है। उन्होंने कहा इस अंडर पास से इलाके के करीब 50 गांवों को सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में धरना संयोजक गणेश रावत, एसडीएम नवीन चंद्र व ग्रामीण मौजूद रहे। गणेश रावत ने बताया कि आज इस काम से ग्रामीणों की जीत हुई है।

जानकीपुरम में दो चोर गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

लखनऊ। जानकीपुरम पुलिस ने बुधवार को दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने उनके के पास से चोरी किया गया माल भी बरामद किया है।

इंस्पेक्टर जानकीपुरम रणजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि बुधवार को उपनिरीक्षक सुधांशु रंजन, मुख्य आरक्षी अवधेश गिरी टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान सीतापुर निवासी सूरज (20) पुत्र प्रेम प्रकाश व बाराबंकी टिकैत नगर निवासी रजन शुक्ला (19) पुत्र राजेश शुक्ला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों ने जानकीपुरम के सीताबिहार कालोनी में 13 अक्टूबर 2020 को मोहित अवस्थी व 5 नवम्बर 2020 को रमेश सिंह के यहां चोरी करने की बात कबूली है। आरोपितों के पास से चोरी किया गया दो अदद बिछिया, एक पायल व चोरी करने के लिए एक छेनी व एक रिंच बरामद किया गया है। दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया है।

बीकेटी की नहरों में पानी का संकट बना अन्नदाता की मुसीबत

क्राइम रिव्यू

बीकेटी। महोना, इटौजा, अमानीगंज, महिंगवा कुम्भरावा और बीकेटी के रजबहों और छोटी नहरों में पानी का बहाव बेहद कम है। इसकी वजह से पानी किसान के खेत तक नही पहुंच पा रहा। परेषान किसान 300 से 350 रुपए प्रतिघंटा पम्पिंग सेट किराए पर लेकर अपनी फसल की सिचाई कर रहे है।

नहर सिचाई विभाग सीतापुर प्रखण्ड की षारदा नगर से बीकेटी के रजबहो और छोटी नहरों पानी की आपूर्ति बेहद कर है। इसके कारण किसानों को फसल सिचाई का पर्याप्त पानी नही मिल पा रहा है। किसानों का आरोप है कि नहरों की लेट लतीफ सिल्ट निकासी का खामियाजा वह आज भुगत रहे है। बुवाई के पहले पलेवा के समय सिल्ट निकासी का काम नवम्बर माह चल रहा था।वह दिसम्बर में भी पूरी नही हो सका।अब जनवरी में पानी छोडा भी गया तो उसका बहाव बेहद कम है। बीकेटी के किसान कमलेष और षिवकुमार ने बताया कि वह पम्पिंग सेट किराए पर लाकर नहर से पानी खीच रहे है। इसका उन्हे दो से 250 रुपए प्रति घंटा किराया देना पडता है। जबकि नहर विभाग को सिचाई का भुगतान अलग से किया जाएगा। उनके लिए खेती अब घाटे का सौदा बनती जा रही है। बीकेटी में नहर सिचाई विभाग के जूनियर इजीनियर संजय गुप्ता ने बताया कि खीरी ब्रान्च से उन्हे पानी कम मिल रहा है। सात जनवरी से उन्हे अतरिक्त पानी मिलेगा।

स्वामी विवेकानन्द जयंती पर सपा करेगी 'युवा घेरा कार्यक्रम'

लखनऊ। समाजवादी पार्टी(सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आगामी 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती को प्रदेश के हर जनपद में युवा घेरा कार्यक्रम के रूप में मनाने का आव्हान किया है।

इस संबंध में बुधवार को अखिलेश यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर घेरा बनाकर युवाओं से सम्बन्धित समस्याओं पर चर्चा होगी। छात्रों-नौजवानों की सक्रिय भागीदारी होगी। इसके अलावा छात्रों-नौजवानों से सम्बंधित मुद्दों पर सार्वजनिक परिचर्चा और संगोष्ठियों का आयोजन करेगी। समाजवादी पार्टी के युवा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी भी युवा घेरा कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करेंगे। कहा कि आज नौजवानों के सामने महंगी होती शिक्षा और रोजगार बड़ी समस्या है। जहां नौजवान सरकारी विसंगतियों के खिलाफ आवाज उठाते हैं उनका उत्पीड़न शुरू हो जाता है। उन पर तमाम आरोप लगते हैं, फर्जी मुकदमों में फंसाया जाता है। युवाओं-छात्रों का भविष्य बिगाड़ने के लिए उन पर एन.एस.ए. भी लगा दिया जाता है।

कवि सम्मेलन में लोगों ने लगाये ठहाके

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। बीकेटी के ग्राम भौली में कवि सम्मेलन एवं तहरी भोज का आयोजन हुआ। इसमें बाराबंकी के मशहूर हास्य कवि संदीप अनुरागी, सुनील झंझटी, गीतकार संजय संवारा, पायल भारती, ओम नीरव, नन्द किशोर शर्मा डीएम, गोविन्द मिश्र अबोध, चेतराम अज्ञानी व नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान आदि ने काव्य पाठ किया।

इसका आयोजन यूपी ही नहीं, बल्कि भारत के अन्य प्रांतों में लोकप्रिय हास्य-व्यंग्य कवि चेतराम अज्ञानी जी ने किया था। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान से सम्मानित कवि भाई चेतराम अज्ञानी हर साल जनवरी महीने में अपने आवास पर कवि सम्मेलन एवं तहरी भोज का आयोजन करते हैं।

आज के आयोजन में शिक्षाविद केके सिंह चौहान, प्रधान राम बहादुर सिंह चौहान, विजय वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष, सपा नेता विदेशपाल यादव, विजय यादव, दुर्गा बख्श सिंह चौहान, सुशील सिंह चौहान आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

चारबाग में भी बनेगी सिटी बसों की एमएसटी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। कोरोना काल में बीते मार्च से बंद पड़ी चारबाग बस अड्डे पर सिटी बसों की एमएसटी काउंटर को गुरुवार से फिर से खोल दिया जाएगा। जहां दैनिक यात्री पूर्व की तरह सिटी बस व इलेक्ट्रिक बसों की अलग-अलग रूट व दूरी के हिसाब से एमएसटी बनवाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन में सामान्य यात्रियों को आईडी फोटो व छात्र-छात्राओं को कोचिंग या स्कूल की आईडी देनी पड़ेगी।

यह जानकारी देते हुए सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पल्लव बोस ने बताया कि वर्तमान में दुबग्गा और गोमतीनगर सिटी बस डिपो में एमएसटी बन रही है। वहीं एमएसटी का तीसरा काउंटर चारबाग में बहाल कर दिया गया है। मासिक पास की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं मंथली सिजनल टिकट यानी एमएसटी बनवाने पर 20 फीसदी तक छूट भी दी जा रही है।

हर रूटों के लिए दरें

-सीएनजी सिटी बस का मासिक पास-1680 रुपए में

-एसी इलेक्ट्रिक बस का मासिक पास-1920 रुपए में

अवध बस अड्डे पर खुलेगा एमएसटी काउंटर

कमता स्थित अवध बस अड्डे पर भी सिटी बस और इलेक्ट्रिक बस के लिए एमएसटी काउंटर खुलेगा। क्योंकि अवध बस अड्डे पर दो प्लेटफार्म पर सिटी बसों का ठहराव हो रहा है। ऐसे में एमएसटी काउंटर खुलने से दैनिक यात्री शहीद पथ होते हुए कानपुर रोड तक कम किराये में पहुंच सकेंगे।

लखनऊ गैंगवार में मुख्तार अंसारी के करीबी की गोली मारकर हत्या

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार रात विभूतिखंड थाना क्षेत्र में एक गैंगवार हुआ। इस गैंगवार में मुख्तार अंसारी के करीबी और मऊ के मोहम्दाबाद से पूर्व ब्लॉक प्रमुख का पति अजीत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जबकि मोहम्दाबाद गोहना मऊ निवासी मोहर सिंह व आकाश घायल हैं।

इस गैंगवार की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। साथ ही इलाके को सील कर गैंगवार कर भागे अन्य बदमाशों की धरपकड़ में जुट गई है। अजित सिंह आजमगढ़ में पूर्व विधायक सर्वेश सिंह सीपू हत्याकांड में मुख्य गवाह था। पुलिस अजीत की अखण्ड सिंह और कुनकुन से रंजिश बता रही है।

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने बताया कि मृतक अजीत सिंह उर्फ लंगड़ा पर कुल 19 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें 5 हत्या के मामले हैं। वह मोहम्दाबाद कोतवाली से हिस्ट्रीशीटर भी था। 31 दिसम्बर को जिलाधिकारी के आदेश पर उसे जिला बदर किया गया था। इसके बाद से ही वह लखनऊ में रह रहा था। उन्होंने बताया कि अभी तक जांच में जो पता चला है कि कठौता चौराहे पर रात को मोटर साइकिल सवार तीन बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। इसमें अजीत की मौत हो गयी है जबकि दो घायल हैं। उनका इलाज लोहिया अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बताया कि वारदात में तकरीबन 25-30 राउंड फायरिंग हुई है। मौके से .32 व 9 एमएम के बोर कई खोखे मिले हैं। इससे बदमाशों में पुरानी रंजिश व अदावत के चलते गैंगवार की बात सामने आ रही है। फिलहाल सभी बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के साथ ही इलाके को सील कर भागे हुए बदमाशों का सुराग लगाया जा रहा है।

शिया और सुन्नी दोनों वक्फ बोर्ड के सीईओ को मिली प्रतिकूल प्रविष्टि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता %नन्दी% ने शिया वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. मोहम्मद नसिर हसन और सुनी वक्फ बोर्ड के सीईओ सैय्यद मोहम्मद सोयेब को कार्य में शिथिलता के चलते प्रतिकूल प्रविष्टि दिया है। मंत्री ने दोनों बोर्ड के अधिवक्ताओं को हटाने का भी निर्देश जारी किया है।

प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नन्दी बुधवार को राजधानी में विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शिया और सुन्नी दोनों बोर्ड के सीईओं के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि का आदेश दिया। दोनों सीईओ के विरुद्ध विभागीय कार्य में शिथिलता के आरोप हैं।

मंत्री नन्दी ने बैठक के दौरान ही शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड के अधिवक्ताओं को बोर्ड के वादों की पैरवी में लापरवाही पाये जाने के बाद हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के अंदर करीब 1100 वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जों को भी तत्काल हटाये जाने के निर्देश जारी किए। साथ ही अधिकारियों से कहा कि एंटी भू माफिया टास्क फोर्स लिस्ट में वक्फ की प्रॉपर्टी को भी जोड़ा जाए।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राविधिक शिक्षा और व्यवसायिक शिक्षा विभागों के पास आईटीआई और पॉलीटेक्निक के उपकरण एवं मशीनरी को वहां के निदेशकों के साथ वार्ता करके जल्द उन्हें संचालित किया जाए। साथ ही सॉफ्टवेयर पर फीड किए गए विवरण को विभागीय वेबसाइट से जियो टैगिंग और जियो मैपिंग से लिंक किए जाने के कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

मदरसा नियामवली में देरी पर जताई नाराजगी

मंत्री नन्दी ने समीक्षा बैठक के दौरान मदरसा नियमावली में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने मदरसा बोर्ड की कामिल और फाजिल डिग्रियों को शिक्षा विभाग की डिग्रियों की समतुल्यता हेतु प्रस्ताव शासन को जल्द से जल्द भेजे जाने के निर्देश दिये। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित नई रोशनी, उस्ताद तथा सीखो कमाओ आदि योजनाओं के तहत प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को दिये जा रहे ऋण में प्राथमिकता दी जाए।

18 से 17 फरवरी तक चलेगा सड़क सुरक्षा अभियान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत 18 जनवरी से 17 फरवरी तक प्रदेश व्यापी सड़क सुरक्षा अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आम-जन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार कर कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश दिये हैं। उन्होंने 112-यूपी को भी इस अभियान से जोड़ने के लिए कहा है।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी एवं प्रमुख सचिव, परिवहन, राजेश कुमार ने बुधवार को लोक भवन स्थित कमाण्ड सेण्टर में एक संयुक्त उच्चस्तरीय बैठक में आगामी सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। अभियान को सफल बनाने के लिए एनसीसी, एनएसएस तथा एनजीओ आदि का भी सहयोग प्राप्त किया जायेगा। बैठक में गृह विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के अलावा चिकित्सा, शिक्षा, पंचायती राज विभाग तथा सड़क निर्माण से जुड़ी सभी निर्माण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी हेतु उसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये गये, ताकि आम लोगों को इस संबंध में अधिकाधिक जागरूक किया जा सके। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यथावश्यक स्थलों पर रोड इंजीनियरिंग का प्रयोग कर चौराहों का निर्माण कराने तथा अवैध कट बन्द कराने के निर्देश दिये गये हैं। दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सड़कों के किनारे अवैध रूप से निर्मित ढाबों को हटाने के लिए कहा गया है। इस कार्य के लिए सम्बन्धित विभाग को आवश्यकतानुसार पुलिस बल उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। अपर मुख्य सचिव, गृह ने दुर्घटना बाहुल्य स्थलों के ब्लैंक स्पॉट को चिह्नित कर सड़क सुरक्षा के जरूरी प्रबन्ध भी सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए क्षतिग्रस्त पुल-पुलिया को प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराये जाने, रोड मार्किंग, यातायात नियंत्रण के जरूरी प्रयास तथा साइन बोर्ड का समुचित प्रदर्शन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

चकेरी एयरपोर्ट में जून तक नाइट लैंडिंग की होगी सुविधा : मंडलायुक्त

कानपुर। चकेरी एयरपोर्ट का जायजा लेने पहुंचे मंडलायुक्त डॉ. राजशेखर ने सबसे पहले चकेरी एयरपोर्ट से प्रयागराज हाइवे को जोड़ने वाली सड़क की जानकारी ली। इस पर बताया गया कि फरवरी तक इस सड़क को मंजूरी मिल सकती है। मंडलायुक्त ने बताया कि एयर कमोडोर बाल मुरली ने जानकारी दी है कि लैंड, बजट और क्लीयरेंस समय पर मिलने पर जून तक नाइट लैंडिंग की सुविधा स्थापित करने की योजना है।

चकेरी एयरपोर्ट से प्रयागराज हाइवे को जोड़ने के लिए बनने वाली सड़क को फरवरी में मंजूरी मिल सकती है। एयरपोर्ट में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लेने पहुंचे मंडलायुक्त डॉ. राजशेखर के सामने यह बात पीडब्ल्युडी अफसरों ने कही। मंडलायुक्त ने जून तक नई टर्मिनल बिल्डिंग को तैयार करने के निर्देश दिए। जायजा लेने के दौरान पाया गया कि नई टर्मिनल बिल्डिंग का काम 25 फीसद हुआ है। यहां पर एयरक्राफ्ट टैक्सी एरिया, पॉवर, सीवेज, रोड, जेनरेटर बैक अप आदि जैसे होल्डिंग एरिया आदि का निर्माण किया जा रहा है। 150 चार पहिया वाहनों की पार्किंग का काम मार्च में पूरा हो जाएगा। मई तक सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य पूरा हो जाएगा। इसके बाद डीजीसीए को मंजूरी और एनओसी के लिए रिपोर्ट भेजी जाएगी।

मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है।
- डॉ. भीम राव अम्बेडकर

घर में लगाएं पिप्पली, अश्वगंधा और गिलोय डेंगू-मलेरिया से बचाएंगे और हृदय रोगों का खतरा घटाएंगे

आयुर्वेद में ऐसे कई पौधे बताए गए हैं जिनकी पत्तियों और जड़ों से कई तरह की बीमारियों का इलाज किया जाता है। इनमें से कुछ पौधों को घर के गार्डन में उगा सकते हैं। इन्हें लगाना भी आसान है और अधिक देखभाल की जरूरत भी नहीं होती। नए साल में अपने बगीचे में ऐसे पौधे भी लगाएं जो आपको रोगों से बचाएं। बागवानी विशेषज्ञ आशीष कुमार बता रहे हैं, घर के बगीचे में औषधीय पौधे कैसे लगाएं, इन्हें कैसे इस्तेमाल करें और ये कितनी तरह से फायदा पहुंचाते हैं...

ब्राह्मी - दिमाग तेज करती है बच्चों में एकाग्रता बढ़ाती

कैसे लगाएं इसका पौधा जमीन पर फैलकर बड़ा होता है, यह आसानी से किसी भी मिट्टी में लग जाता है।

कैसे मिलेगा फायदा इसकी 4-5 पत्तियों को सुबह खाली पेट चबाकर, पानी पिएं। रस निकालकर भी ले सकते हैं। इसकी तासीर ठंडी होती है इसलिए सर्दी में पत्तियों के रस को काली मिर्च के साथ लें।

फायदे ब्राह्मी दिमाग के लिए अधिक फायदेमंद है। बच्चों में एकाग्रता की कमी और बड़ी उम्र में भूलने की बीमारी में इसकी पत्तियों को चबाकर खाते हैं तो फायदा होता है।

गिलोय - डेंगू के मरीजों के लिए फायदेमंद

कैसे लगाएं गिलोय बेल है.जो कटिंग से हर तरह की मिट्टी में लग जाती है।

कैसे मिलेगा फायदा गिलोय बेल की डालियां कूटकर पानी में उबालकर पी सकते हैं। जिन्हें डायबिटीज नहीं है, वे इसमें थोड़ा शहद डालकर भी पी सकते हैं।

फायदे गिलोय रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाने वाली औषधि है। ऐसे लोग जिन्हें बार-बार जुकाम होता है, उनके लिए फायदेमंद है। सांस के रोग, आर्थराइटिस, डेंगू या चिकनगुनिया, मधुमेह में फायदा मिलता है।

कालमेघ - यह कैंसर और संक्रमण से बचाता है

कैसे लगाएं यह आसानी से बीज या कटिंग से गमले या क्यारी में लग जाता है।

कैसे मिलेगा फायदा बुखार और खराश होने पर इसकी पत्तियों की चाय या जूस बनाकर पी सकते हैं लेकिन ध्यान रहे कि यह नीम से सौ गुना अधिक कड़वा होता है, इसलिए इसे %किंग ऑफ बिटर% के नाम से भी जानते हैं।

फायदे यह संक्रमण, बैक्टीरिया, कैंसर और सूजन से बचाता है। डायबिटीज के रोगियों के लिए भी यह फायदेमंद है। इसीलिए इसको कोविड-19 संक्रमण से लड़ने में मददगार भी कहा जा रहा है। दवाइयों में इसके प्रयोग भी किए जा रहे हैं। यह हैजा, दमा, ज्वर, मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर, खांसी, गले में छाले और पाइल्स में फायदेमंद है।

पिप्पली हृदय रोगियों पेट की समस्याओं में फायदेमंद

कैसे लगाएं पिप्पली का पौधा कटिंग या बीज रोप करके लगा सकते हैं।

कैसे मिलेगा फायदा पिप्पली को लॉन्ग पेपर भी कहते हैं। इसमें लम्बे फल लगते हैं, जिनका चूर्ण बनाकर सेवन किया जाता है। उसी तरह जड़ को सुखाकर भी इसका चूर्ण लिया जा सकता है।

फायदे यह दिल के रोगों में फायदेमंद है। इसके फल के एक ग्राम चूर्ण को शहद के साथ खाली पेट लेने पर दिल के रोगों में राहत मिलती है। इसी तरह पेट के रोगों के लिए भी यह चूर्ण फायदेमंद है।

अश्वगंधा खांसी में राहत देता है, इम्युनिटी बढ़ाता है

कैसे लगाएं इसका पौधा बीज की मदद से गमले या क्यारी में लगाया जाता है।

कैसे मिलेगा फायदा इसकी जड़ों का पाउडर खांसी और अस्थमा से राहत दिलाता है। पत्तियों की चाय बनाकर पी सकते हैं। दूध में एक चम्मच अश्वगंधा की जड़ का पाउडर मिलाकर पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

फायदे अश्वगंधा शरीर की काम करने की क्षमता को बढ़ाता है। इसके पत्तों को रेग्युलर खाते हैं और प्राणायाम करते हैं तो मोटापा कम किया जा सकता है।

वन तुलसी - सिरदर्द, गले की खराश में फायदा

कैसे लगाएं इसको बीज या कलम से बड़े गमले में लगा सकते हैं लेकिन क्यारी में बेहतर उगती है।

कैसे मिलेगा फायदा इसकी पत्तियों से मसाला चाय बना सकते हैं। चाय बनाते वक्त इसकी कुछ पत्तियां साथ में डालने से चाय भी कड़क बनेगी। रसोई में मौजूद मसालों की तरह वन तुलसी का उपयोग कर सकते हैं। इसकी दो-तीन पत्तियां मसालों के साथ पीसकर उपयोग कर सकते हैं।

फायदे वन तुलसी की पत्तियां इन्फ्लुएंजा के इलाज, सिरदर्द, गले की खराश, खांसी और बुखार में फायदा पहुंचाती हैं।

लेमनग्रास - इसकी चाय पिएं, संक्रमण से बचे रहेंगे

कैसे लगाएं इसे नींबूघास भी कहते हैं। इसे छोटे गमले या क्यारी में लगा सकते हैं।

कैसे मिलेगा फायदा इसकी पत्तियां लेमन टी बनाने में इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म पानी में अजवाइन और लेमनग्रास की कुछ पत्तियां डालकर उबाल लें। इसे दो मिनट तक रखें और फिर हल्दी डालकर अच्छी तरह से मिलाकर पिएं।

फायदे इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और बैक्टीरिया को खत्म करने वाली खूबियां हैं जो कई प्रकार के इंफेक्शन से बचाता है। इस घास में विटामिन-ए और सी, फोलेट, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर, आयरन, पोटेशियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम और मैगनीज़ होते हैं।

सर्दी में रहे सतर्क

तापमान गिरने पर बढ़ता है ब्लड प्रेशर

सिरदर्द, हार्ट अटैक और वजन घटने का सर्दी से है कनेक्शन

हार्ट से लेकर ब्रेन तक ब्लड सर्कुलेशन सामान्य न रहने पर उंगलियां ठिठुरती हैं, डिप्रेशन के मामले सामने आते हैं। सर्दियां आते ही हम ठिठुरने लगते हैं। स्किन ड्राय होने लगती है। मसल्स सिकुड़ने लगती है। हार्ट अटैक के मामले बढ़ जाते हैं। बदलाव सिर्फ इतना ही नहीं है, शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन धीमा हो जाता है। जैसे-जैसे बाहर का तापमान गिरता है, शरीर में ये बदलाव दिखने शुरू हो जाते हैं। शरीर में ये बदलाव क्यों होते हैं, सर्दी शुरू होते ही बीमारियों का खतरा क्यों बढ़ता है और इस बदलाव के बुरे असर से खुद को कैसे बचाएं? जानिए इन सभी सवालों के जवाब...

सर्दियों में क्यों नहीं बढ़ता वजन?

ठंड के दिनों में शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ जाता है। आसान भाषा में समझें तो शरीर थोड़ा तेजी से काम करने लगता है। शरीर गर्म रहता है। खाना जल्दी पचता है। कैलोरीज ज्यादा बर्न होती हैं। इसलिए सर्दियों में वजन नहीं बढ़ता। ध्यान रखें कि यहां वजन की बात सामान्य खानपान के लिए लागू हो रही है। अगर आप हाई कैलोरी फूड लेते हैं तो चर्बी घटाने के लिए एक्सरसाइज करना जरूरी है।

जाड़े में उंगलियां ठिठुर क्यों जाती हैं?

उंगलियों के फूलने और सिकुड़ने का कनेक्शन भी मौसम से है। तापमान कम होने पर शरीर के अलग-अलग हिस्सों में ब्लड पहुंचाने वाली नसें खुद को सिकोड़कर शरीर को गर्म रखने की कोशिश करती हैं। ऐसा होने पर ब्लड सर्कुलेशन घटता है। इसलिए हाथ-पैरों की उंगलियां ठिठुरी हुई दिखाई देती हैं और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है।

धमनियां सिकुड़ने के कारण ब्रेन तक ब्लड पहुंचने में अड़चन आती है, इसलिए सिरदर्द के मामले भी इसी मौसम में सबसे ज्यादा सामने आते हैं।

हार्ट अटैक बढ़ने के मामले भी इसी मौसम में सबसे ज्यादा क्यों?

सर्दियों में धमनियां सिकुड़ने का असर हार्ट पर भी पड़ता है। ऐसा होने पर हार्ट तक पहुंचने वाले ब्लड और ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। यह हार्ट अटैक की वजह बनता है। हार्ट शरीर में टेम्प्रेचर को मेंटन करने का काम भी करता है। सर्दियों में हार्ट पर लोड ज्यादा बढ़ने के कारण हार्ट मसल्स डैमेज भी हो सकती हैं।

शरीर के इन हिस्सों पर सर्दी का असर ज्यादा

सर्दियों में सिर्फ हार्ट अटैक ही नहीं, डिप्रेशन का खतरा भी बढ़ता है। वैज्ञानिक भाषा में इस डिप्रेशन को सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर कहते हैं। इसके मामले सर्दियों की शुरुआत में सामने आने शुरू हो जाते हैं। तापमान जितना ज्यादा नीचे गिरता है, उसका असर ब्रेन और ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है। नतीजा सिरदर्द के मामले भी सामने आते हैं। इसके अलावा मरीजों में जोड़ों का दर्द और अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ता है। हवा में नमी घटने पर ड्रायनेस बढ़ती है। स्किन पर रैशेज और एग्जिमा की समस्याओं में बढोतरी होती है।

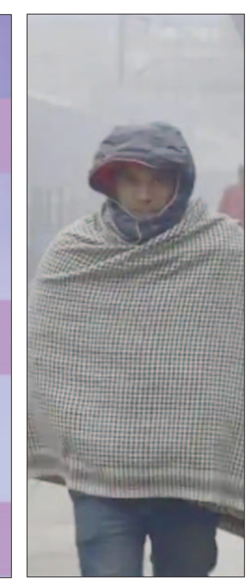

ये 3 बातें ध्यान रखें

खानपान : मक्का, गुड़ बाजरा, मूंगफली खाएं

सर्दियों में अपने खानपान में मक्का, ज्वार, बाजरा और रागी को शामिल करें। ये गर्म तासीर वाला खानपान है जो सर्दी के साइडइफेक्ट से भी बचाता है। खाने में बहुत ज्यादा घी का इस्तेमाल करने से बचें। तिल, मूंगफली और गुड़ से बनी चीजें खा सकते हैं। इनमें आयरन अच्छी मात्रा में पाया जाता है। अलग-अलग तरह की सब्जियों से तैयार सूप को डाइट में शामिल करें। इसे गर्म ही खाएं। ये कई तरह के पोषक तत्वों की कमी पूरी करते हैं। खाने में फलियों वाली सब्जियां, हरी सब्जियां, मछली और अंडे को शामिल करें। काली मिर्च, इलायची जैसे मसालों का इस्तेमाल करें।

रहन-सहन : रोजाना धूप में 20 मिनट बैठें और 8-10 गिलास पानी पिएं

बिना गर्म कपड़ों के बाहर न जाएं ताकि ब्लड सर्कुलेशन नॉर्मल बना रहे। नहाने के बाद शरीर पर नारियल तेल लगाएं, ये नमी को बरकरार रखेगा। ड्रायनेस और रैशेज से बचाव कर सकेंगे। मौसम कोई भी हो, रोजाना 8 से 10 गिलास पानी पीना जरूरी है। यह शरीर से जहरीले तत्वों (टॉक्सिंस) को बाहर निकालने में मदद करता है। रोजाना सुबह की धूप में 20 मिनट जरूर बैठें। इससे विटामिन-डी की कमी पूरी होगी जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करेगी।

एक्सरसाइज : खुले में वर्कआउट करने से बचें, सुबह वॉक पर न जाएं

सर्दी में सुबह की वॉक से बचें। सुबह 10 बजे के बाद वॉक या वर्कआउट करना बेहतर विकल्प है। इससे शरीर में गर्माहट बनी रहती है। रोजाना 30 मिनट की एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसकी शुरुआत हाथ, कमर और गर्दन के मूवमेंट से करें। खुले में वर्कआउट करने से बचें। एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद खुले में न जाएं।

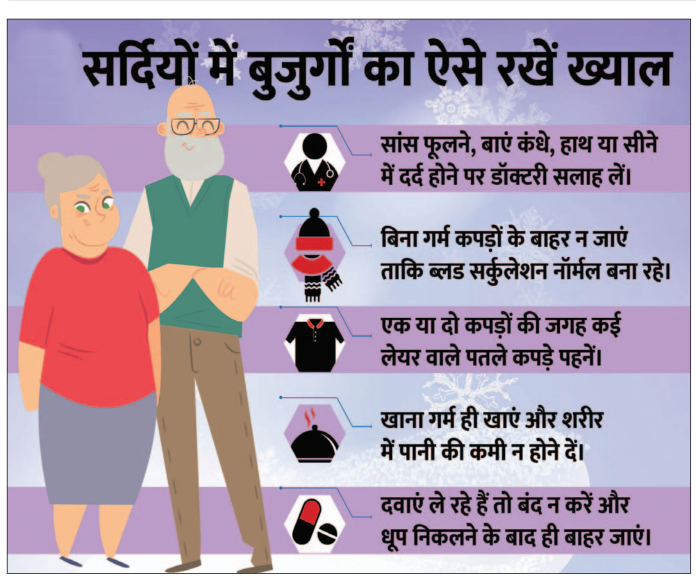

7 जनवरी दिन गुरुवार सभी राशियों के लिए शुभ है। यह सप्ताह सभी 12 राशियों के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष 2021 का आगाज पुष्य नक्षत्र में होगा। ये सप्ताह सभी राशियों के लिए कैसा रहेगा, जानते हैं साप्ताहिक राशिफल। पंचांग के अनुसार 8 जनवरी को चतुर्दशी की तिथि है। नए सप्ताह कुछ राशियों के लिए बहुत ही शुभ होने जा रहा है। लेकिन इन 4 राशियों को कुछ मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इस सप्ताह कुछ राशियों को धन हानि भी हो सकती है। इसलिए सोच समझकर ही निर्णय लें।

मेष

इस सप्ताह के शुरुआत में काफी ऊर्जावान नजर आएंगे तो वहीं सप्ताह के मध्य में कुछ आलस्य रहेगा. आर्थिक लाभ को लेकर सजग रहें. बड़े मुनाफे के लिए जोखिम भरे कार्य करने से बचें. इस सप्ताह करियर से जुड़े कुछ अच्छे समाचार सुनने को मिल सकते हैं. जो लोग मार्केटिंग या फील्ड वर्क में रहते हैं, उनको टारगेट पूरा करने के लिए समय उपयुक्त है. कैश बैक जैसी योजनाओं का लाभ मिल सकता है. व्यापारिक मामलों में पार्टनरशिप वाले व्यापार अच्छे चलते नजर आएंगे. जो लोग शुगर पेशेंट है, वह सप्ताह के अंतिम दिनों में अधिक परहेज करें. पिता और बड़े भाई के साथ ताल-मेल बनाने से उनका सहयोग मिलेगा. रिश्तों में बेवजह की शंका को स्थान न दें.

वृष

बीते सप्ताह के कई जरूरी काम पूरे नहीं हो पाए हैं तो अतिरिक्त समय निकालकर उसे हरहालत में पूरा कर लें. कामकाज में कोई गलती होती है तो किसी एक व्यक्ति को जवाबदेह ठहराते हुए पल्ला न झाड़ें. खुद भी इसके निदान के लिए आगे बढ़कर प्रयास करें. सीनियर कामकाज की जांच भी करवा सकता है. कारोबारियों को ग्राहकों से बातचीत के दौरान सहज रहने की जरूरत है. विद्यार्थी पढ़ाई के अलावा इधर-उधर की बातों में मन आएंगे. मौसम और महामारी को देखते हुए बेवजह घर से बाहर निकलने की योजना न बनाएं. नियमों का पालन कर खुद को और परिवार को सुरक्षित रखें. करीबी रिश्तों में दूरियाँ उभर सकती है, थोड़ा संयम के साथ रहने की जरूरत होगी.

मिथुन

इस सप्ताह अपनी समीक्षा करते हुए भूल और गलतियों को सुधारने के लिए काम करने का है. कामकाज में बेहतर प्रदर्शन के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना बेहतर होगा. नौकरी कर रहे लोगों के लिए यात्रा का योग बन रहा है. धातु और दवा का कारोबार करने वालों को स्टॉक मेनटेन करने की जरूरत है, ध्यान रखें कि वैरायटी देकर ही ग्राहकों को रिझाया बढ़ सकता है, अन्यथा पुराने और भरोसेमंद कस्टमरों को भी मुंह मोड़ देर नहीं लगेगी. विद्यार्थी कलात्मक विषयों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, इसलिए कठिन सिलेबस पर फोकस ब?ाना होगा. थकान और सुस्ती हावी रह सकती है, जिससे तनाव बढ़ेगा. अपने व्यवहार को लेकर सतर्क रहें. परिवार के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं.

कर्क

यह सप्ताह विशेषकर कारोबार या कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ कंपटीशन वाला रह सकता है, तो वहीं कई परिश्रम के बाद ही सफलता या सम्मान मिलेगा. लेन-देन संबंधी विवाद भी सप्ताह मध्य तक उभर सकते हैं. कारोबारी अपने हिसाब किताब में पारदर्शी बनाए रखें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चपेट में आ सकते हैं. अपनी पूंजी को बहुत संयमित तरीके से प्रयोग करने की जरूरत है. रियल स्टेट का काम करने वालों को लाभ होगा. स्वास्थ्य को लेकर स्थितियां फिलहाल सचेत रहने वाली हैं. शुरुआती कुछ दिन खान-पान में लापरवाही परेशानी खड़ी कर सकती है. रिश्तेदारों और करीबियों के साथ तालमेल बनाकर चलें. कहीं घूमने की प्लानिंग भी बन सकती हैं मगर मौसम के अनुरूप दूरी वाले डेस्टिनेशन ही चुनें.

सिंह

इस सप्ताह हर परिस्थिति में आप संयमित और कुशल प्रशासक नजर आएं. ऐसा करने से आपके बिग? काम भी बन सकते हैं. सरकारी अ?चनें व पेडिंग कार्य पूरे होते दिख रहे हैं. शोध कार्यों में लोगों के लिए लाभ की संभावनाएं हैं. कारोबारियों को प्रतिष्ठान को विस्तार देने का मौका है. ग्राहकों की पसंद के मुताबिक स्टॉक मेनटेन करें. सेहत के लिए सप्ताह बहुत चिंताजनक नहीं रहने वाला है. घरेलू मामलों में समझदारी से काम लेने की जरूरत है. परिवार में बेहतर प्रबंधन के लिए सराहना मिलेगी. किसी भी मामले में निर्णय लेते समय असमंजस में हैं तो घर के बढ़े और बुजुर्गों की सलाह से काम लेना कारगर होगा. अपनी हित से जुड़े विषयों पर मजबूती से पक्ष रखें.

कन्या

इस सप्ताह मन को तनाव से बचाते हुए परिवार की देखभाल और खुशहाली के लिए काम करने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी ओर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए आय के स्रोत बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा. मगर कोई भी गैरकानूनी काम में खुद को शामिल न करें. अजनबी व्यक्ति आपको भावुक कर सीक्रेट बातों को जानना चाह सकता है, इसलिए मानसिक दृढ़ता दिखाना जरूरी है. व्यापारिक मामलों में लापरवाही करना ठीक नहीं होगा. युवा अपने विचारों को शुद्ध रखें. विद्यार्थी पढ़ाई के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर लापरवाही न बरतें. सेहत के लिए सप्ताह तनावपूर्ण हो सकता है. कमर और गर्दन में दिक्कत रहेगी. दवा से अधिक व्यायाम आपके लिए फायदेमंद होगा.

तुला

इस पूरे सप्ताह नौकरी या कारोबार में रुचि और बढ़ाने की जरूरत है. कोई भी काम बे-मन से न करें, अन्यथा जो काम आप कर सकते हैं वह भी पूरा नहीं हो सकेगा. सप्ताह के मध्य में उच्चाधिकारीयों से तनाव की स्थिति हो सकती है. अगर काम को लेकर आपसे कुछ नाराजगी भरे शब्द बोलते हैं तो जवाब विनम्रता से दें. विदेशी सामानों की बिक्री करने वालों को अच्छा लाभ मिलेगा. हेल्थ को लेकर वाहन दुर्घटना के प्रति सजग रहें और यातायात नियमों का पालन करें. सप्ताह में कुछ दिन अगर घर-परिवार के साथ बिताने का मौका मिलता है तो जरूर लाभ उठाएं. पैतृक संबंधित मामलों को सुलझा सकते हैं. परिवार में सभी से स्नेह और प्रेम बना रहेगा.

वृश्चिक

इस सप्ताह मेष राशि वालों को निवेश या उधार आदि के लिए सतर्कता रखनी होगी. अनुभवहीन की सलाह या लालच में आकर कोई भी निर्णय करना खतरनाक हो सकता है. प्लानिंग के दौरान वरिष्ठों के साथ वैचारिक मतभेद से बचें. नौकरी से जुड़े लोग समय के सही इस्तेमाल के लिए सजग रहें. कार्यस्थल पर वरिष्ठों के गुस्से का शिकार बन सकते हैं. कारोबार कर रहे लोगों को सप्ताह की शुरुआत में नया काम शुरू करने से बचना चाहिए. नुकसान की आशंका है. हेल्थ को लेकर खानपान संतुलित और मौसम के अनुकूल रखें. जंक या फास्ट फूड से परहेज रखें. अनुजों से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, घर में सबके साथ अच्छा तालमेल रहेगा, मन शांत और सप्ताह सुखद बीतेगा.

धनु-

इस पूरे सप्ताह छोटी-छोटी परेशानियां आपके मार्ग में बाधक बन सकती हैं. ऐसे में इन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है. कई दिनों से पेंडिंग काम है यदि नहीं पूरा हो पा रहा था तो उसे इस सप्ताह इसे निपटाने से तनाव खत्म होगा. अभिनय-कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा. जो लोग कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे हैं, उनके लिए भी लाभ की स्थिति बन रही है. सेहत के लिए सप्ताह अनुकूल नहीं है, तबीयत खराब रहने की आशंका अधिक है. बाहर की तलीभुनी और मसालेदार चीजों से परहेज रखें. पिता के स्वास्थ्य को लेकर सजगता बरतें, अगर वह साथ नहीं रहते हैं तो फोन पर जरूर उनसे हाल-चाल लेते रहें.

मकर

इस सप्ताह में परिश्रम का परिणाम मनमुताबिक और जल्दी मिलने वाला होगा. ध्यान रखें कि कार्यस्थल पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने के लिए अधिक काम करना पढ़ सकता है. टीम को भी एकजुटता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करें. सप्ताह मध्य तक किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर वरिष्ठ की सलाह बेहद कारगर होगा. बड़े व्यापारियों के लिए सप्ताह अंत तक रुका धन लौट सकता है. फाइनेंस से संबंधित कारोबार कर रहे हैं लोग सजग रहें. अभिभावकों को छोटे बच्चों की पढ़ाई और संगत पर भी ध्यान देने की जरूरत है. हेल्थ में गिरकर हड्डी में चोट लगने की आशंकाएं प्रबल नजर आ रही है. पुरानी बीमारियों में राहत रहेगी. विवाह के लिए भी रिश्ता आ सकता है.

कुम्भ

इस सप्ताह जहां एक ओर साल के अंतिम दिनों में सेलिब्रेशन का दौर काम के तनाव से राहत देगा, तो वहीं सर्वोत्तम परिणाम पाने के लिए मन शांत और आत्म केंद्रित करने की जरूरत है. नौकरीपेशा से जुड़े लोगों को शुरुआती दिनों में बॉस की बातों को आंखमूंदकर पालन करना होगा. ऑफिस में काम के दौरान कोई भी नियम न तोड़ें. जो लोग गिफ्ट आइटम या डेकोरेशन से जुड़े सामान का बिजनेस करते हैं, वह इस समय अच्छा मुनाफा पाएंगे. विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है, समय अच्छा है जल्द सफलता मिल सकती है. स्वास्थ्य में जिन लोगों का अभी ऑपरेशन हुआ है, उन्हें अलर्ट रहने की जरूरत है. घर में धार्मिक अनुष्ठान की कार्ययोजना बनेगी.

मीन

इस सप्ताह नेटवर्क बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए बचत की आसान तरीका खोजना होगा. ऑफिसियल काम में और फोकस ब?ाना होगा, तो वहीं निस्संदेह काम का बोझ भी बढ़ेगा. समय का पूरा इस्तेमाल करें. उच्च अधिकारियों के सामने छवि खराब कर देगा. व्यापारियों को विदेशी निवेशक के साथ बढ़ी डील मिलने की उम्मीद है. कागजी कार्रवाई को लेकर सतर्कता बनाए रखें. विद्यार्थियों के लिए कंबाइंड स्टडी लाभप्रद रहेगी. सेहत में मांसपेशीय या नसों से संबंधित परेशानियों के लिए अलर्ट रहना होगा. कमजोरी से अचानक स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है. पारिवारिक सदस्यों को सेहत के मामलों में सजग रहने की सलाह दें.

शिखर तक पहुँचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
– अब्दुल कलाम आजाद

पर्यावरण, स्वच्छता व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दे रहा यूपी महोत्सव

हेमन्त कुमार मिश्रा

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में अलीगंज के सेक्टर ओ पोस्टल ग्राउण्ड केन्द्रीय विद्यालय के सामने चल रहा 13वां यूपी महोत्सव-2020 पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपड़, जल संरक्षण, गौ संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, प्लास्टिक हटाओं, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला सुरक्षा का सन्देश देने में सफल हो रहा है। साथ ही महोत्सव में उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न जनउपयोगी योजनाओं का प्रसार भी बखूबी कर रहा है।

इस बार की यू0 पी0 महोत्सव की थीम आत्म निर्भर भारत का विकसित उत्तर प्रदेश रखी गई है। यूपी महोत्सव प्रदेश सरकार द्वारा प्रद्वत कोविड-19 के नियमों के तहत आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का गेट पर टैम्पेचर चेक करने के साथ उसे सैनिटाइज किया जा रहा है। इसके अलावा महोत्सव में बिना मास्क के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नही दिया जा रहा है। 24 दिसंबर को 13वें यूपी महोत्सव को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व जगदगुरू रामानुजाचार्या महाराज जी श्रीधाम अयोध्या द्वारा उद्घाटन किया गया।

कला संस्कृति को दिया जा रहा है बढ़ावा

यूपी महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र की कला संस्कृति को बढावा देने हेतु अवधी नाइट्स, ब्रज नाइट्स, बन्देली नाइट्स, राजस्थानी नाइटृस, भोजपुरी नाइटृस और बॉलीवुड नाइटृस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे गायिका प्रिया पाल, शिप्रा चन्द्रा समेत विभिन्न गायक गायिकाओं ने अपनी आवाज के जादू से लोगों को खूब झुमाया। नन्ही नृत्यांगना स्वरा त्रिपाठी, पर्णिका श्रीवास्तव आदि के खूबसूरत नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी को दीवाना बना दिया। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे हैं।

11 बच्चों को यूपी बाल रत्न और 21 महिलाओं को यूपी महिला रत्न

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह व उपाध्यक्ष एनबी सिंह ने बताया कि यूपी महोत्सव में इस वर्ष उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रदेश की 21 महिलाओं को यूपी महिला रत्न सम्मान, 11 पुरूषों को यूपी रत्न सम्मान और 11 बच्चों को यूपी बाल रत्न सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है। इसके साथ ही 11 कोरोना वॉरियर्स को भी सम्मानित किया जा रहा है। सम्मानित होने वाली हस्तियों में डॉ पूजा शर्मा, प्राची रस्तोगी, वन्दना सिंह, ईषिका, ममता कनौजिया, पूजा श्रीवास्तव, शालिनी गुप्ता, अर्पिता सिंह, मनु तिवारी, सुनीता मोघा, दिव्या शुक्ला, शकिना खान, अर्चना राजपूत, अनुजा, पूजा श्रीवास्तव, वन्दना गुप्ता, चेतना गुप्ता, बीना वर्मा, सीमा गुप्ता, कान्ता दयाल, पूनम सोनी, श्रुति गुप्ता, पुनीता भटनागर, रश्मि गुप्ता निशा, पूनम गुप्ता, सोनी वर्मा, लता, वीनू चौधरी और ऐश्वर्या भारद्वाज के साथ यशस्वी पोरवाल, देवांग दीक्षित, पलक वर्मा, मिठीका द्विवेदी, प्रतीक शर्मा, सुकृति गुप्ता, सुप्रिया वर्मा, उन्नति श्री, देवम खत्री, रिजा सिद्दिकी, सात्विक सिंह और दिव्यांशी गुप्ता को यूपी बाल रत्न सम्मान 2020 से सम्मानित किया गया। वहीं प्रमोद सिंह राजन, राघवराम तिवारी पार्षद, मुकेश कुमार सिंह, स्वेता राज सिंह, ममता सिंह, शालिनी सिंह, सीमा यादव, राजेश कुमार, रूपाली गुप्ता पार्षद, दीपक मिश्रा, प्रदीप शुक्ला पार्षद, कमलेश कुमार पार्षद, ऋषि द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष अ.भ.हिन्दू महासभा उप्र को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

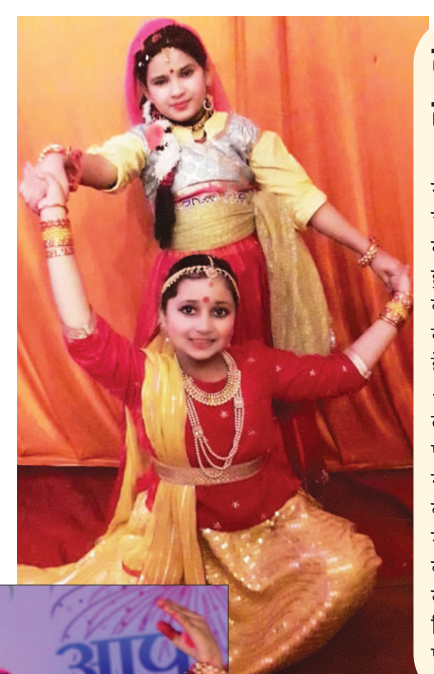

बच्चों का गायन-नृत्य लुभा रहा

यूपी महोत्सव में इस वर्ष फूड जोन में राजस्थानी, पंजाबी, साउथ इण्डियन, चाइनीज, अवधी-मुगलई के अलावा देशी बाटी चोखे के स्टाल आकर्षण के केन्द्र बने हुए हैं। महोत्सव में आये लोग इन व्यंजनो का भरपूर स्वाद ले रहे हैं। वही फन जोन में बच्चों के साथ बड़े भी झूलों का मजा ले रहे हैं। हैण्डलूम, हैण्डीक्राफ्ट्स, खादी, आटोमोबाइल, फर्नीचर, घरेलू सामानों और लघु इकाइयों द्वारा निर्मित सामानों के स्टालो पर भी लोगों की भारी भीड़ जुट रही है। वही सेल्फी प्वाइंट में युवा व जोड़े यूपी महोत्सव की यादों को अपने मोबाइल में संजो रहे हैं। महोत्सव में रोजाना निशुल्क यूपी टैलेण्ट हण्ट का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, वादन, किड्स मॉडलिंग, मेंहदी, रंगोली समेत विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जा रहा है।

सम्पादक–हेमन्त कुमार मिश्रा
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक हेमन्त कुमार मिश्रा द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड ठाकुरगंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजें अन्यथा समाचार सत्य माना जाएगा: संपादक। e-mail: crimereview2012@gmail.com, Mobile: 9454552222